राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,28 अगस्त-2021 वर्ष-4,अंक-216 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

काबुल धमाका : 12 शहीद सैनिकों के सम्मान में पांच दिन झुका रहेगा अमेरिकी झंडा, बाइडन बोले- ढूंढ-ढूंढकर मारेंगे

अमेरिका और तालिबान के बीच ट्रंप काल में समझौता हुआ था। इसके तहत यह तय हुआ था कि अफगानिस्तान की जमीन को तालिबान आंतक का अड्डा बनने नहीं देगा, लेकिन काबुल एयरपोर्ट के बाहर हुए बम धमाकों ने उसका रुख साफ कर दिया है।

काबुल। काबुल में हुए बम धमाके और उसमें 12 अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद अफगानिस्तान में अमेरिका फिर से सक्रिय होता दिख रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने साफ कर दिया है कि तुम्हे हम माफ नहीं करेंगे, ढूंढेंगे और सजा देंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि हमारा मिशन अभी खत्म नहीं हुआ है।

इस बीच अपने शहीद सैनिकों को सम्मान देने के लिए अमेरिका का राष्ट्रीय ध्वज झुका रहेगा। व्हाइट हाउस से मिली जानकारी के अनुसार अमेरिका का राष्ट्रीय ध्वज 30 अगस्त की शाम तक आधा झुका रहेगा। गौरतलब है कि काबुल एयरपोर्ट पर हुए धमाके में 12 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई, वहीं 18 से ज्यादा सैनिक इसमें घायल हैं।

कुल 72 लोगों की हुई है मौत

काबुल एयरपोर्ट के बाहर गुरुवार को दो आत्मघाती बम धमाके हुए थे। इन धमाकों की जिम्मेदारी देर शाम तक

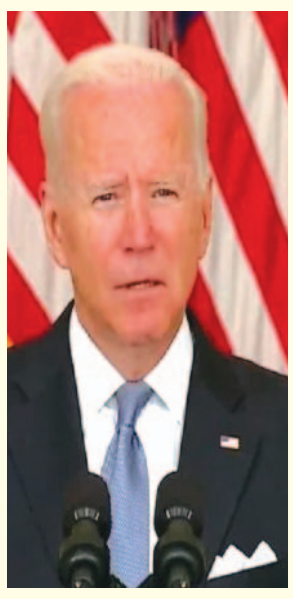

आतंकी संगठन आईएस (इस्लामिक स्टेट) ने ली। बता दें इन धमाकों में 12 अमेरिकी सैनिकों समेत कुल 72 लोगों की मौत हो गई है। वहीं रूसी न्यूज एजेंसी ने तीसरा बम धमाका होने का भी दावा किया था। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई।

सैनिकों को ही बनाया गया था निशाना

काबुल एयरपोर्ट के ऐबी गेट के बाहर पहला धमाका हुआ था। यहां पर अमेरिका और ब्रिटेन के सैनिक तैनात रहते हैं। बताया जा रहा है कि हमलावर फयरिंग करते हुए ऐबी गेट के पास आया और उसने खुद को बम से उड़ा लिया। दूसरा धमाका ऐबी गेट के ही नजदीक बैरल होटल के बाहर हुआ। माना जा रहा है कि धमाके का उद्देश्य सैनिकों को ही निशाना बनाना था।

ट्रंप बोले, धमाके की घटना बेहद दुखद

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने काबुल धमाके पर कहा कि इस तरह की दुखद घटना बिल्कुल नहीं होनी चाहिए थी। बता दें कि ट्रंप के शासनकाल में ही अमेरिका और तालिबान के बीच दोहा में समझौता हुआ था।

आईएस ने ली जिम्मेदारी

समाचार एजेंसी रायटर्स के मुताबिक, इस्लामिक स्टेट ने काबुल एयरपोर्ट धमाके की जिम्मेदारी ली। आतंकी संगठन ने अपने टेलीग्राम अकाउंट पर हमले की जिम्मेदारी ली है। इसी बीच काबुल में एक और धमाके की आवाज आई है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने की निंदा

भारतीय विदेश मंत्रालय ने बम धमाके पर बयान जारी करते हुए इसकी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा- हम काबुल में धमाकों की निंदा करते हैं। हम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति अपनी संवेदना जाहिर करते हैं। ये धमाका बताता है कि हमें आतंकवाद और इसे पोषित करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने की जरूरत है।

काबुल में हुए विस्फोटों की भारत ने भी की कड़े शब्दों में निंदा, आतंकी हमले के पीछे आइएस संगठन है जिम्मेदार

नई दिल्ली। अफगानिस्तान की राजधानी में गुरुवार देर शाम हुए दो विस्फोट की भारत ने भी कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने अपनी प्रतिक्रिया में इसे कहा कि हम काबुल में हुए बम विस्फोटों की भ?र्त्सना करते हैं। इस आतंकी वारदात में मारे गये लोगों के प्रति शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा गया है कि इस हमले के बाद और जरूरी हो गया है कि आतकंवाद और आतंकियों को सुरक्षित शरण देने वालों के खिलाफ पूरी दुनिया एकजुट हो। काबुल से जो खबरें आ रही हैं इससे संकेत है कि इस विस्फोट के पीछे इस्लामिक आतंकी संगठन आइएस (इस्लामिक स्टेट) जिम्मेदार है।

उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त, 2021 को काबुल पर तालिबान का कब्जा होने के बाद भारत ने बहुत ही स्पष्ट शब्दों में विश्व बिरादरी को इस आतंकी संगठन के बारे में आगाह किया था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कह चुके हैं कि अफगानिस्तान में अस्थिरता फैलने से पूरे क्षेत्र में आइएस का खतरा बढ़ गया है। बता दें कि काबुल में अमेरिकी दूतावास की ओर से गत बुधवार की शाम को जारी एक अलर्ट में नागरिकों को सलाह दी गई थी कि वे एयरपोर्ट की ओर आना टाल दें। जो लोग पहले से एयरपोर्ट के गेट पर मौजूद हैं, वे भी तत्काल वहां से चले जाएं। आस्ट्रेलिया ने भी अपने लोगों को एयरपोर्ट से दूर रहने की सलाह दी थी। इसके अलावा, ब्रिटेन के सशस्त्र बलों के मंत्री जेम्स हैपी ने बताया कि एक बड़े हमले की बड़ी विश्वसनीय रिपोर्ट आई है। इसलिए लोगों को एयरपोर्ट से दूर चले जाना चाहिए। काबुल में बम धमाकों की खबर मिलने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायली पीएम के साथ अपनी मीटिंग टालकर सुरक्षा संबंधी टीम के साथ आपात बैठक की।

शिक्षक दिवस से पहले देश के सभी स्कूली शिक्षकों को वैक्सीन लगाने के लिए मुहिम शुरू

नई दिल्ली। पांच सितंबर यानी शिक्षक दिवस से पहले देश के सभी स्कूली शिक्षकों को वैक्सीन लगाने के लिए मुहिम शुरू हो चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शिक्षकों के लिए आरक्षित वैक्सीन की पहली खेप भी जारी कर दी है। मंत्रालय के अनुसार राज्यों को दो करोड़ वैक्सीन अतिरिक्त दी जा रही हैं, जिनका इस्तेमाल शिक्षकों के लिए किया जा सकता है। इसमें से एक करोड़ से अधिक खुराक प्रदेशों को भेज दी हैं। बाकी खुराक इसी सप्ताह के अंत तक राज्यों को उपलब्ध हो जाएंगीं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने शिक्षकों के लिए विशेष टीकाकरण कार्यक्रम चलाने का अनुरोध राज्यों से किया था। मंत्रालय के अनुसार देश में अब तक 58.76 करोड़ से अधिक वैक्सीन राज्यों को दी जा चुकी हैं। इनमें से 3.77 करोड़ से अधिक खुराक का इस्तेमाल होना अभी बाकी है। उधर कोविन वेबसाइट के अनुसार 13.70 करोड़ से अधिक लोग दोनों खुराक लेकर टीकाकरण पूरा कर चुके हैं। अभी तक करीब 14 फीसदी लोग टीकाकरण पूरा करवा चुके हैं। कोविशील्ड वैक्सीन की दो खुराक के बीच समय का अंतर कम किया जा सकता है। अभी 12 से 14 सप्ताह के अंतराल

में कोविशील्ड की दोनों खुराक दी जा रही हैं लेकिन कुछ सप्ताह बाद यह अवधि घटकर आठ से 10 सप्ताह भी हो सकती है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रीय तकनीकी सलाह समिति (एनटीएजीआई) से सिफारिश मिलने के बाद फैसला किया जाएगा।

कोरोना से अनाथ बच्चों की फीस माफ हो या राज्य वहन करे, पढ़ाई न हो बाधित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों से कहा है कि वह इस बात को सुनिश्चित करे कि कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों की पढ़ाई किसी भी तरह से बाधित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए सुझाव दिया कि या तो स्कूल फीस माफ करे या राज्य सरकार खर्चा वहन करे। शीर्ष अदालत ने राज्यों के चाइल्ड वेलफेयर कमेटी और जिला शिक्षा अधिकारी से कहा है कि वह इस मामले में स्कूल प्रशासन से बातचीत करें और यह सुनिश्चित कराएं कि प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों की पढ़ाई मौजूदा साल में किसी भी तरह बाधित न हो। जस्टिस एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने पूरे देश के जिलाधकारियों को कहा है कि कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी करे, ताकि पीएम केयर्स फंड से ऐसे बच्चों को लाभ मिल सके। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पीएम केयर्स फंड से बच्चों को लाभ देने के लिए अलग से पोर्टल बनाया गया है और इसके तहत 21 अगस्त तक 2600 बच्चे

रजिस्टर्ड हुए हैं। 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा अनाथ बच्चों का पंजीकरण किया गया है। इनमें 418 आवेदनों को जिलाधकारियों ने मंजूर किया है।

ऐसे बच्चों को 23 साल पूरे होने पर मिलेंगे 10 लाख

केंद्र सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एश्वर्य भाटी ने कोर्ट को बताया कि पीएम केयर्स फंड में 18 साल तक बच्चों को शिक्षा दिलाने की व्यवस्था की गई है। भाटी ने कहा कि पीएम केयर्स स्कीम के तहत कोविड से अनाथ हुए बच्चों को 23 वर्ष पूरे होने पर 10 लाख रुपये देने का प्रावधान है।

1,01,032 लाख बच्चे हुए बेसहारा

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी कि एक अप्रैल, 2020 और 23 अगस्त, 2021 के बीच कोविड -19 या अन्य कारणों से 1,01,032 बच्चे बेसहारा हो गए। इनमें से 8,161 अनाथ हुए, 396 बच्चों को छोड़ दिया गया और 92,475 ने अपने माता-पिता में से एक को खो दिया।

अक्तूबर माह के पहले सप्ताह में लगाया जा सकता बच्चों को टीका

- टीकाकरण को लेकर गठित राष्ट्रीय तकनीकी सलाह समिति की ओर से सिफारिशें तैयार की जा रही हैं
- स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि अक्तूबर माह की शुरुआत में वैक्सीन उपलब्ध हो सकती है

नई दिल्ली। दुनिया की पहली डीएनए वैक्सीन अक्तूबर माह के पहले सप्ताह में उपलब्ध हो सकती है। यह वैक्सीन 12 साल से ज्यादा के बच्चों को भी दी जा सकती है। बृहस्पतिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि अक्तूबर माह की शुरुआत में वैक्सीन उपलब्ध हो सकती है। उन्होंने बताया कि टीकाकरण को लेकर गठित राष्ट्रीय तकनीकी सलाह समिति की ओर से सिफारिशें तैयार की जा रही हैं। इन सिफारिशों के आधार पर ही आगे तय होगा कि बच्चों के टीकाकरण को किस

तरह से शुरू किया जाएगा।

स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि देश में अब वैक्सीन की किल्लत नहीं है। बीते तीन से चार सप्ताह से राज्यों को समय पर वैक्सीन उपलब्ध हो रही है। यही वजह है कि देश में टीकाकरण तेजी से 60 करोड़ पार हो चुका है।

केंद्र सरकार ने किया आगाह-सावधानी से मनाएं त्योहार, कोरोना का खतरा अभी टला नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने त्योहारों के दौरान कोरोना के खतरों के प्रति आगाह किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने बताया कि महामारी के प्रबंधन के लिहाज से आने वाले दो माह निर्णायक हैं। उन्होंने कहा, कोविड की दूसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है, लिहाजा त्योहारों के दौरान सावधान रहने व कोरोना से बचाव के नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है। उन्होंने बताया कि एक दिन में देशभर में 46,164 लोग संक्रमित पाए गए, जो पिछले 160 दिन में सबसे ज्यादा हैं। देश में अब तक संक्रमितों की संख्या बढ़कर तीन करोड़ ,25 लाख 58 हजार 530 हो गई है। सक्रिय मामले भी बढ़कर तीन लाख 33 हजार 725 हो गए हैं। एक दिन में 607 लोगों की मौत हो गई, जिससे कुल मृतकों की संख्या चार लाख 36

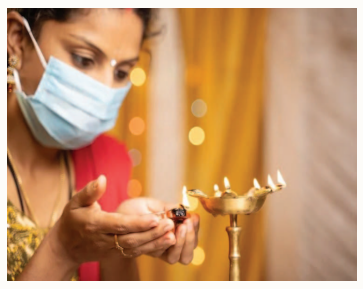

हजार 365 हो गई है। सक्रिय मामलों की संख्या कुल संक्रमित हुए लोगों की संख्या की तुलना में 1.03 फीसदी है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर कोविड से स्वस्थ होने वाले लोगों की दर 97.63 फीसदी है।

घनी आबादी फैला रही संक्रमण

आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने कहा, घनी आबादी में कोरोना काफी तेजी से फैल सकता है। इसके कई उदाहरण हम देख चुके हैं। इसलिए भीड़ से दूर रहना है और घनी आबादी के बीच सतर्कता नियमों का पालन करना है। 41 जिलों में संक्रमण दर 10 फीसदी से अधिक है लेकिन 27 जिलों में यह दर पांच से 10 फीसदी है, जहां कभी भी संक्रमण बढ़ भी सकता है। वैक्सीन पूरी तरह सक्षम नहीं, मास्क पहनें आईसीएमआर के महानिदेशक ने कहा कि वैक्सीन संक्रमण के असर को कम करती है, लेकिन यह कोविड को पूरी तरह रोकने में सक्षम नहीं, लिहाजा वैक्सीन लगवाने के बाद भी मास्क व दूरी जैसे नियमों का पालन करना जरूरी है। 41 जिलों में साप्ताहिक संक्रमण दर 10 फीसदी से ज्यादा है।

केरल में कोरोना विस्फोट से देश पर भी पड़ा असर

केरल में कोरोना का अचानक विस्फोट हुआ है। यहां एक दिन में 31,445 मामले सामने आए हैं, जबकि बुधवार को यहां 24 हजार लोग संक्रमित मिले थे। इसके नतीजे में पिछले 24 घंटे में 46 हजार से अधिक लोग संक्रमित मिले हैं। बीते दो दिन की तुलना में यह संख्या नौ हजार से भी अधिक है। इससे पहले यहां सबसे अधिक 30491 मामले, 30 मई को दर्ज किए गए थे।

भारत में ड्रोन का परिचालन हुआ आसान, नियमो में दी गई ढील, जुर्माना भी घटा

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्रालय ने देश में ड्रोन परिचालन के नियमों को आसान किया है। इसके लिए भरे जाने वाले आवश्यक प्रपत्रों की संख्या 25 से घटाकर पांच कर दी गई है। इसी तरह परिचालन से लिए जाने वाले शुल्क के प्रकारों की संख्या 72 से घटाकर चार कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर कहा कि नए ड्रोन नियम भारत में इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण की शुरुआत करते हैं। उन्होंने कहा कि ये नियम विश्वास और स्व-प्रमाणन पर आधारित हैं। स्वीकृतियां, अनुपालन आवश्यकताओं और प्रविष्टि संबंधी बाधाओं को काफी कम कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इससे इस क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्ट-अप और युवाओं को काफी मदद मिलेगी। उनके मुताबिक यह इनोवेशन और व्यापार के लिए नई संभावनाएं खोलेगा और को ड्रोन केंद्र बनाने के लिए प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग में भारत की शक्ति का लाभ उठाने में मदद करेगा। ड्रोन नियम, 2021 बुधवार को जारी किए गए। इन नए नियमों ने मानवरहित विमान प्रणाली यानि यूएएस नियम, 2021 का स्थान लिया है जो इसी साल 12 मार्च को लागू हुआ था।

नए ड्रोन नियम साजो-सामान और परिवहन क्षेत्र में एक क्रांति लाएंगे

वहीं नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मुताबिक नए ड्रोन नियम साजो-सामान और परिवहन क्षेत्र में एक क्रांति लाएंगे और कृषि, स्वास्थ्य सेवा तथा खनन जैसे क्षेत्रों में परिवर्तन की लहर पैदा करेंगे। सिंधिया ने कहा रक्षा और गृह मंत्रालय तथा ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटीज, शत्रु ड्रोन का मुकाबला करने के लिए प्रौद्योगिकी विकसित

करने और तेजी से उसे अपनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

नियमों में विभिन्न मंजूरियों की आवश्यकता को समाप्त किया

नए नियमों के अनुसार, शुल्क को नाममात्र यानि 100 रुपये के स्तर तक घटा दिया गया है और इसे ड्रोन के आकार से अलग कर दिया गया है। नियमों में विभिन्न मंजूरियों की आवश्यकता को भी समाप्त कर दिया है, जिनमें अनुरूपता का प्रमाणपत्र, रख-रखाव का प्रमाण पत्र, आयात मंजूरी, मौजूदा ड्रोन की स्वीकृति, परिचालक परमिट, शोध एवं विकास संगठन की स्वीकृति और विद्यार्थी रिमोट पायलट लाइसेंस शामिल हैं। ड्रोन नियम, 2021 के मुताबिक अन्य स्वीकृतियों जैसे विशिष्ट प्राधिकरण संख्या, विशिष्ट प्रोटोटाइप पहचान संख्या और विनिर्माण एवं उड़ान योग्यता प्रमाण-पत्र आदि को भी समाप्त कर दिया गया है।

ड्रोन उड़ाने की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी

नए नियमों के अनुसार अब ग्रीन जोन में 400 फुट तक और हवाईअड्डे की परिधि से आठ से 12 किलोमीटर के बीच के क्षेत्र में 200 फुट तक ड्रोन उड़ाने की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। ग्रीन जोन का मतलब 400 फुट की लंबवत दूरी तक का हवाई क्षेत्र है जिसे हवाई क्षेत्र के नक्शे में रेड जोन या येलो जोन के रूप में नामित नहीं किया गया है।

पायलट लाइसेंस की आवश्यकता नहीं

नियमों में कहा गया है कि गैर-व्यावसायिक उपयोग के लिए माइक्रो ड्रोन और नैनो ड्रोन के लिए किसी पायलट लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होगी। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर अधिकतम जुर्माना घटाकर एक लाख रुपए कर दिया गया है। इसके अलावा देश में पंजीकृत विदेशी स्वामित्व वाली कंपनियों द्वारा ड्रोन परिचालन पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। भारी वस्तुएं ले जाने वाले ड्रोन और ड्रोन टैक्सियों के लिए ड्रोन का कवरेज 300 किलोग्राम से बढ़ाकर 500 किलोग्राम कर दिया गया है। अब पंजीयन या लाइसेंस जारी करने से पहले किसी सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

देरी पर दंड

भारत में विकास से जुड़ी परियोजनाओं को समय से शुरू और पूरा करने के लिए सरकारें जितना भी करें, कम है। इसी रोशनी में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में होने वाली अनावश्यक देरी की रोकथाम के लिए जो नीतिगत बदलाव किए गए हैं, उनका हर तरह से स्वागत होना चाहिए। पहले इन परियोजनाओं में किसी भी बदलाव के लिए सैद्धांतिक मंजूरी लेने में ही महीनों लग जाते थे, लेकिन अब यह तय कर दिया गया है कि सैद्धांतिक मंजूरी रिपोर्ट अधिकतम छह महीने में सौंपनी पड़ेगी। यही नहीं, सलाहकार, अथॉरिटी इंजीनियर, परियोजना निदेशक को सभी मौजूदा परियोजनाओं की रिपोर्ट 31 अगस्त तक सौंपने को कहा गया है। सबसे खास बात है कि यह सिर्फ निर्देश नहीं है, अगर अब इंजीनियरों की ओर से देरी हुई, तो उन्हें दंड का सामना करना पड़ेगा। अभी तक जो ढर्रा रहा है, उसमें इंजीनियरों को सरकार की उदारता पर दृढ़ विश्वास है, वह मानकर चलते हैं कि सरकारें केवल बोलने का काम करती हैं, आदेश-निर्देश देकर भूल जाती हैं और काम तो अपनी गति से ही होता है। यही शर्मनाक सोच है, जिसकी वजह से भारत में शायद ही कोई ऐसी परियोजना होगी, जो समय पर पूरी हुई होगी।

अगर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने तय कर लिया है कि अब सड़क परियोजनाओं को हर हाल में समय पर पूरा करना है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। कोई शक नहीं कि पिछले दो दशक में भारत में सड़कों की स्थिति में बहुत सुधार हुआ है। सड़क मार्ग से परिवहन सुगम हुआ है, लेकिन अभी बहुत कुछ करने की गुंजाइश है। क्या हम पांच साल की परियोजना को पांच साल से पहले पूरी नहीं कर सकते? क्या हमारे इंजीनियर मेहनती नहीं हैं? क्या उनमें समय पर काम को अंजाम देने की प्रतिभा नहीं है? ये बड़े बुनियादी सवाल हैं, जो सीधे विकास से जुड़े हैं। एनएचएआई ने 24 अगस्त को जो नीतिगत दस्तावेज जारी किया है, उसकी उपयोगिता बहुत लंबे समय से थी। परियोजनाओं के तमाम छोटे-बड़े कामों को टालने की प्रवृत्ति का अंत जरूरी है। हम बुनियादी ढांचा विकास में पहले ही बहुत पिछड़ गए हैं। भारत निवेश में अगर पिछड़ रहा है, तो खराब सड़कें भी जिम्मेदार हैं।

गौरतलब है, जारी दस्तावेज या सर्कुलर में यह भी साफ कर दिया गया है कि कई मामलों में जान-बूझकर मामूली मंजूरी से जुड़ी फाइलों को भी इधर से उधर किया जाता है, ताकि ठेकेदारों को जुर्माने से बचाया जा सके। ठेकेदारों को जुर्माने से बचाने या उनकी लगाम न कसने के पीछे क्या कारण हैं, इसे समझना कठिन नहीं है। जाहिर है, परियोजना की बढ़ी हुई लागत एनएचएआई और देश को चुकानी पड़ती है। सलाहकार-इंजीनियर की सांठगांठ से ठेकेदार बच जाते हैं। सांठगांठ करके कई तरह से देश को चूना लगाया जाता है। अब यह बहुत जरूरी है कि भारत में सड़क परियोजना में होने वाली देरी के लिए जिम्मेदारी तय हो और देरी करने वाले को दंडित किया जाए। ठीक इसी तरह अन्य तरह की विकास परियोजनाओं के लिए भी नीतिगत दस्तावेज जारी होने चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि तमाम परियोजनाएं समय पर पूरी हों। परियोजनाओं को अगर पूरी तेजी से चलाया जाएगा, तो उससे समग्र आर्थिक-सामाजिक विकास में भी तेजी आएगी और रोजगार में भी वृद्धि होगी। देश का तन, मन और धन बर्बाद नहीं होगा।

थम नहीं रही अंदरूनी कलह

सौ वर्षों से ज्यादा पुरानी पार्टी कांग्रेस जो अपने ईमानदार और विचारबद्ध मध्यमार्ग से विभिन्न पहचानों को सैद्धांतिक मंच उपलब्ध कराती थी और उनकी जायज महद्मवाकांक्षाओं की पूर्ति की राजनीतिक शक्ति बनी थी, वह अपनी यह शक्ति भी धीरे-धीरे खोती जा रही है। व्यक्ति के सामाजिक योगदान के बजाय व्यक्ति का परिवार और जनधन शक्ति एक कांग्रेसी की अर्हता हो गई है। नेहरू परिवार के वर्चस्व ने कांग्रेस की वैचारिक ऊर्जा को समाप्त कर दिया और पार्टी में व्यक्ति निष्ठा सर्वोपरि हो गई है। इन्हीं सब का मिला-जुला परिणाम है कि पार्टी का नेतृत्व चुनाव में सफल नहीं हो पा रहा है। संगठन में पहले की तरह अनुशासन नहीं रहा। जिन राज्यों में पार्टी की अपनी सरकारें हैं, वहां के आतंरिक कलह पर उच्च नेतृत्व काबू नहीं कर पा रहा है। कांग्रेस पार्टी के आंतरिक कलह का ताजा घटनाक्रम पंजाब का है। वहां मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के बीच जारी मतभेद और राजनीतिक घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। अभी पिछले दिनों कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की इच्छा के विरुद्ध जाकर नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद की कमान सौंपी थी। तब अमरिंदर सिंह का स्वर कुछ नरम पड़ा था और ऐसा लगा था कि अंदरूनी कलह को काबू में कर लिया गया है, लेकिन बहुत जल्द ही यह भ्रम टूट गया। जब राज्य के चार मंत्रियों तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा, सुखविंदर सिंह सरकारिया, सुखजिंदर सिंह रंधावा और चरणजीत सिंह चन्नी के अलावा कुछ कांग्रेसी विधायकों ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को हटाने की मांग कर दी। प्रदेश में अगले वर्ष विधानसभा का चुनाव होने जा रहा है। जाहिर है जनता के बीच पार्टी के इस अंदरूनी कलह का संदेश अच्छा नहीं जा रहा है। कांग्रेस के पंजाब प्रभारी हरीश रावत को डैमेज कंट्रोल करने के लिए आगे आना पड़ा। उन्हें घोषणा करनी पड़ी कि अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में ही पंजाब का चुनाव लड़ा जाएगा। कहना मुश्किल है कि इस कवायद के बाद भी पार्टी का अंदरूनी कलह शांत हो ही जाए। इसी तरह छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी अंदरूनी कलह जारी है। देखना है कि इन तीनों राज्यों के असंतुष्ट गुटों को काबू में करने के लिए कांग्रेस का आलाकमान आगे क्या रणनीति अपनाती है?

कटाक्ष/ सहीराम

केरल से फिर कहर?

देश से कोरोना महामारी की दूसरी लहर समाप्ति की ओर है, लेकिन तीसरी लहर को लेकर आशंकाएं बरकरार हैं। केरल में लगातार बढ़ते मामले से इन आशंकाओं को बल मिला है। केरल में इस वक्त देश के 50 फीसद के करीब मामले हैं। यह आंकड़े चिंताजनक इसलिए भी हैं क्योंकि दूसरी लहर का ज्वार भी दक्षिण होते हुए देश के उत्तरी भाग में पहुंचा था। जिसकी गवाह गंगा में तैरती हुई लाशें थीं। दुनिया भर में भारत की भारी फजीहत हुई। क्योंकि देश में लापरवाही का ऐसा आलम था कि मानो कोरोना था ही नहीं।

एक सामूहिक लापरवाही त्रासदी में तब्दील हो गई। सवाल उठता है कि तीसरी लहर में इसका दुहराव ना हो इसके लिए क्या ऐहतियात बरती जाए? भारत में तीसरी लहर के प्रभाव को लेकर विशेषज्ञों की भिन्न राय है। हांग तीसरी लहर आएगी इस पर कमोबेश सभी सहमत हैं। केरल के ताजा हालात को देखते हुए एक सुझाव यही है कि वहां से अवाजाही पर कुछ समय के लिए रोक लगा दी जाए। इसका मतलब यह है कि 'कंटेनमेंट जोन' के विचार को राज्य स्तर पर लागू किया जाए। यह फैसला थोड़ा सख्त है, लेकिन महामारी को देखते हुए सबसे बेहतर उपाय यही है। ध्यान देने वाली बात यह है कि वैक्सीन की दोनों ज़ोज लेने के बाद भी लोग कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। इसके अलावा वायरस जिस प्रकार अपना स्वरूप बदल रहा है वो बेहद चिंताजनक है। इससे वैक्सीन के प्रभावी होने को लेकर भी कई सवाल उठे हैं। ऐसे में आज भी कोरोना गाइड़लाइन्स का पालन ही बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। जिन राज्यों में या जिन जिलों में मामले अप्रत्याशित रूप से बढ़ॅ रहे हैं उन्हें एक प्रकार के 'कंटेनमेंट जोन' में तब्दील करने में ही समझनदारी है। इसके प्रारूप को लेकर बहस हो सकती है। इस दौरान लोगों को कम-से-कम मुश्किलों का सामना करना पड़े; ये बात भी ध्यान देने वाली होगी। दूसरी लहर ने जो तांड़व मचाया, उसके बाद से यह जरूरी है कि निर्णय लेने में देरी कहीं तीसरी लहर की भयावहता का कारण ना बन जाए। इसके लिए 'कंटेनमेंट जोन' के प्रारूप पर विचार कर शीघ्र निर्णय लेने की दरकार है।

एक कारगर पहल के कई पहलू

अरुण कुमार

मजदूरों का जल्द से जल्द डाटाबेस तैयार करने और उन तक सामाजिक कल्याण योजनाओं व अन्य जरूरतों की पहुंच सुनिश्चित करने संबंधी सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद आखिरकार केंद्र सरकार ने ई-श्रम पोर्टल की शुरुआत कर दी। दावा किया गया है कि इससे 38 करोड़ श्रमिकों को फायदा होगा। इसके तहत रजिस्टर्ड कामगारों को ई-श्रम कार्ड दिया जाएगा, जो पूरे देश में मान्य होगा, और इससे असंगठित कामगारों को काम मिलने में सहूलियत होगी।

पहली नजर में तो यह एक कारगर पहल लगती है, लेकिन असलियत में इसमें कई पेच हैं। सबसे पहले तो रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया ही काफी उलझी हुई है। इसमें मजदूर अपना नाम तभी दर्ज करा सकेंगे, जब उनके पास मोबाइल नंबर और आधार कार्ड होगा। बेशक सरकार की तरफसे जारी टोल फ्री नंबर से उन्हें सहायता मिलेगी, लेकिन अधिकतर मजदूर इतने कुशल नहीं हैं कि वे खुद अपना नाम यहां दर्ज करा सकें। फिर, यह गारंटी भी नहीं है कि मोबाइल और आधार सब मजदूरों से पास हों। अच्छा होता कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली गैर-सरकारी संस्थाओं या मजदूर संगठनों को रजिस्ट्रेशन कराने की जिम्मेदारी दी जाती। उनकी मदद से मजदूर अपना नाम इसमें आसानी से दर्ज करा सकते थे।

ई-श्रम पोर्टल पर यह भी जानकारी नहीं है कि कामगारों को किन-किन योजनाओं से जोड़ा जाएगा। असगंठित क्षेत्र क्रेडिट (पूंजी), तकनीक और मार्केटिंग की समस्या से जूझ रहा है। जिस तरह से बड़ी-बड़ी कंपनियों को काम करने के लिए 'वर्किंग कैपिटल' की दरकार होती है, उसी तरह असंगठित क्षेत्र के कामगारों को भी अपना काम-धंधा शुरू करने के लिए पूंजी की जरूरत है। ऐसे लोग आमतौर पर अपनी बचत को ही वर्किंग कैपिटल के रूप में इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कोरोना की दो-दो लहरों ने इनकी सभी जमा-पूंजी खत्म कर दी होगी। निस्संदेह, केंद्र सरकार ने रेहड़ी-पटरी वालों के लिए बतौर कर्ज 10-10 हजार रुपये की व्यवस्था की थी, लेकिन यह योजना लॉकडाउन-1.0 को देखकर जारी की गई थी, जबकि कोरोना की दूसरी लहर कहीं ज्यादा घातक रही। जाहिर है, यह रकम भी अब शायद ही इनके खाते में बची हो।

ताजा पहल में यह बात अच्छी है कि इसमें मजदूरों को एक यूनीक नंबर दिया जाएगा। इससे यह पता चल सकेगा कि देश के किस राज्य में कितने सारे लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं और रोजगार के आकांक्षी हैं। मगर यह काम भी तभी होगा, जब अधिक से अधिक श्रमिक अपना रजिस्ट्रेशन करा सकें। इसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को अधिक सरल बनाना होगा और आधार कार्ड के बजाय पहचान के अन्य विकल्पों (जैसे, चुनाव पहचानपत्र, राशनकार्ड) को भी इस कवायद में शामिल करना होगा। इसके अलावा, कृषि क्षेत्र के मजदूरों को भी इसमें जोड़ना चाहिए। अभी देश में तकरीबन छह करोड़ सूक्ष्म कंपनियां हैं। साल 2011 की जनगणना बताती है कि कुल श्रम-बल में 45 फीसदी हिस्सेदारी गैर-कृषि क्षेत्र के श्रमिकों की है। मगर महामारी के बाद करीब 44 फीसदी हिस्सा कृषक मजदूरों का भी हो गया है। उनको भी यदि इसमें जोड़ सकें, तो एक बड़ी उपलब्धि सरकार के खाते में आ सकती है। अभी दिक्कत यह है कि बाजार में मांग बहुत कम है। नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना ने जिस तरह से असर डाला है, उसकी सबसे बड़ी मार असंगठित क्षेत्र के रोजगारों पर पड़ी है। जब लोगों की आमदनी कम हो गई है, तब भला मांग बढ़ने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? इतना ही नहीं, सरकार संगठित क्षेत्र को बढ़ावा देती रही है, जिससे असंगठित क्षेत्र की मांग भी संगठित क्षेत्र में चली गई। जैसे, जीएसटी से असंगठित क्षेत्र को बाहर रखना एक अच्छा कदम था, लेकिन इसका बुरा असर यह हुआ है कि असंगठित क्षेत्र को इनपुट क्रेडिट नहीं मिल रहा। नतीजतन, उसका माल महंगा हो गया है, जबकि इनपुट क्रेडिट पाकर संगठित क्षेत्र उपभोक्ताओं को अपनी ओर लुभा रहा है। प्रेस्टीज प्रेशर कूकर के चेयरमैन टीटी जगन्नाथन ने 2018 में कहा था कि पांच संगठित और 25 असगंठित क्षेत्र की कंपनियों सहित देश में प्रेशर कूकर की कुल 30 यूनीटें हैं। हम खुश हैं कि हमारी मांग 24 फीसदी बढ़ गई है, क्योंकि असंगठित क्षेत्र की मांग हमारी तरफ आ रही है। कुछ यही हाल आज है। असंगठित क्षेत्र में मांग तभी बढ़ेगी, जब श्रमिकों के पास पैसे होंगे। लिहाजा, ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड कामगारों के खाते में पैसे पहुंचाने की व्यवस्था भी होनी चाहिए, ताकि उनकी खर्च की क्षमता बढ़ सके।

एक रास्ता यह हो सकता है कि स्थानीय स्तर पर को-ऑपरेटिव बनाए जाएं, ताकि वे असंगठित क्षेत्र के उत्पादों की मार्केटिंग करें और कामगारों को तकनीक मुहैया कराएं। अगर ऐसा हो सका, तो इस पोर्टल से हम काफी फायदा उठा सकते हैं। हालांकि, इसके लिए कुछ प्रशासनिक समस्याओं को दूर करना होगा। संभव हो, तो जनधन खाते को यहां से जोड़ देना चाहिए और मजदूरों का पैसा उसी खाते में जमा करना चाहिए। यहां ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना भी काफी काम आ सकती है। पिछले साल इसके लिए 1.10 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जो पर्याप्त नहीं था। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट बता रही है कि इस योजना से श्रमिकों को साल में औसतन 50 दिनों का काम मिला, जबकि जरूरत 365 दिन में कम से कम 200 दिन काम मिलने की है। इसलिए, इस मद में 3.5 लाख करोड़ रुपये तक आवंटित किए जाने चाहिए थे, और कामगारों की मजदूरी भी बढ़ानी चाहिए थी। चूंकि अब भी बहुत सारे श्रमिक गांव से शहर की ओर नहीं लौटे हैं, इसलिए 1.5 लाख करोड़ रुपये तो तुरंत इस योजना में डाले जाने चाहिए। अगर सरकार ऐसा करती है, तो उसे ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड श्रमिकों को अलग से पैसे नहीं देने पड़ेंगे। वह चाहे, तो काम के हिसाब से मजदूरों को भुगतान कर सकती है। इसी तरह का प्रयास शहरी क्षेत्रों में भी किया जा सकता है। शहरी रोजगार योजना मौजूदा वक्त की बहुत जरूरी मांग है। असंगठित क्षेत्र के कामगार तुलनात्मक रूप से कम कुशल हैं। उनकी कुशलता बढ़ाने की दीर्घावधि योजना तो बननी ही चाहिए, पोर्टल पर यह भी सूचना होनी चाहिए कि वे किस काम में दक्ष हैं। ई-श्रम पोर्टल पर ब्लड ग्रुप तो पूछा गया है, लेकिन काम के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं मांगी गई है। जाहिर है, सरकार की यह पहल तो अच्छी है, लेकिन अब भी इसमें काफी सुधार किए जाने की जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> ई-श्रम पोर्टल पर ब्लड ग्रुप तो पूछा गया है, लेकिन काम के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं मांगी गई है। जाहिर है, सरकार की यह पहल तो अच्छी है, लेकिन अब भी इसमें काफी सुधार किए जाने की जरूरत है।

चर्चित चेहरा

तालिबान पर दहाड़ता पंजशीर का शेर

अरुण नैथानी

अब जब अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हो चुका है और देश में अराजकता का दौर है, एक बुलंद आवाज तालिबान के खिलाफ उठी है। राष्ट्रपति अशरफ गनी के पलायन के बाद अफगानिस्तान के संविधान के मुताबिक उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने खुद को अफगानिस्तान का राष्ट्रपति घोषित किया। वे तालिबानी निरंकुशता के खिलाफ भयाक्रांत अफगान जनता की आवाज बने। आज की तारीख में सालेह तालिबान की आंख की किरकिरी बने हुए हैं। दरअसल, सारे अफगानिस्तान में तालिबान के लिये पंजशीर घाटी एक चुनौती बनी हुई है। यह वह वीरों की घाटी है जो कभी भी न तो सोवियत सेनाओं और न ही तालिबान के कब्जे में आयी है। हाल ही में तालिबान लड़ाकों को इस पर कब्जे की कोशिश में भारी क्षति उठानी पड़ी, फिलहाल एक दूसरे पर हमला न करने का दोनों पक्षों में समझौता हुआ है। दरअसल, तालिबान अफगानिस्तान में पैर जमाने की कोशिश में है।

अच्छी बात यह है कि अमरुल्लाह सालेह भारत के करीबी दोस्त माने जाते हैं और उनके भारतीय गुप्तचर संस्थाओं से बेहतर संबंध रहे हैं। दबंग व मुखर अमरुल्लाह सालेह लगातार पाक पर हमलावर रहे हैं। वे दुनिया को बताते रहे हैं कि अफगानिस्तान की अस्थिरता पाक की वजह से है। यह भी कि तालिबान पाक का पैदा किया हुआ भस्मासुर है। यहां तक कि वे पाक के मुखिया रहे जनरल मुशर्रफ को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पटखनी दे चुके हैं। वे लगातार तालिबान की निरंकुश सत्ता के खात्मे का संकल्प जताते रहे हैं। दरअसल, पंजशीर घाटी के वीरों ने हमेशा तालिबानियों को कड़ी चुनौती दी है। यहां की भौगोलिक संरचना ने तालिबान को घुसने की कभी इजाजत ही नहीं दी। हालांकि तालिबान ने कई बार अमरुल्लाह सालेह पर जानलेवा हमले किये। वे तालिबान के खिलाफ ऐलान-

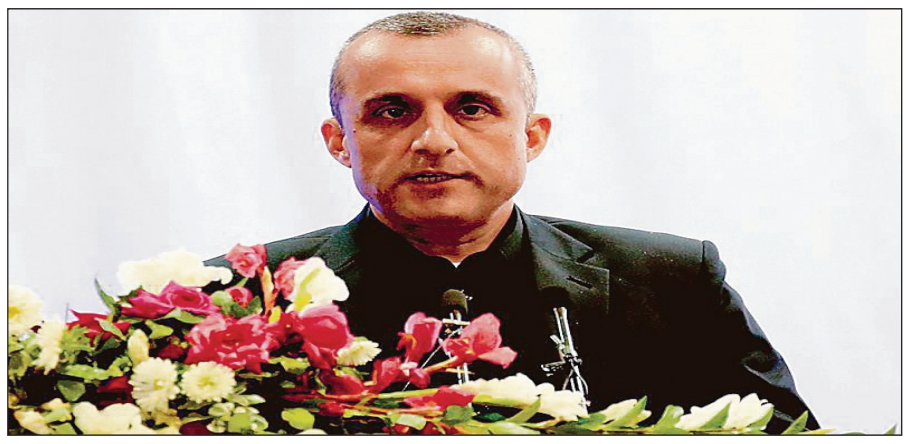

ए-जंग कर चुके हैं।

दरअसल, अमरुल्ला सालेह ने पंजशीर के शेर कहे जाने वाले अफगान हीरो कमांडर अहमद शाह मसूद के नेतृत्व में जंग का हुनर सीखा। किसी समय पाकिस्तान में हथियार चलाने का प्रशिक्षण लेने वाले सालेह आज पाक की पोल-पट्टी खोलते रहते हैं। वे अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति बनने से पहले देश की खुफिया एजेंसी एनडीएस के प्रमुख थे। दरअसल, अमरुल्ला सालेह का संबंध अफगानिस्तान के ताजिक जातीय समूह से है। यही वजह है कि अल्पसंख्यक समुदाय का होने के कारण वे तालिबान के निशाने पर रहे हैं। इस संघर्ष में अमरुल्ला सालेह ने बड़ी कीमत भी चुकायी है। सालेह तक पहुंचने के लिये तालिबानी आतंकियों ने उनकी एक बहन का अपहरण करके यातानाएं दीं, बाद में उसकी मौत हो गई थी। कालांतर में जब देश पर तालिबान ने कब्जा करना शुरू किया तो वे कमांडर अहमद शाह मसूद के नेतृत्व में संघर्ष में कूद गये। जिन्होंने अहमद शाह मसूद से भारत के बेहतर रिश्ते बनाने में मदद की। दरअसल, अफगानिस्तान में अमेरिकी दखल के बाद जब तालिबान के खिलाफ मुहिम शुरू हुई तो सालेह इस दौरान खुफिया एजेंसियों के प्रभारी थे। कालांतर वे अफगानिस्तान की खुफिया एजेंसी एनडीएस के प्रमुख भी बने। इस दौरान उन्होंने अफगान सरकार व अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को ठोस खुफिया रिपोर्ट उपलब्ध करायी कि पाकिस्तान किस तरह अफगानिस्तान में आतंकी हमलों व तालिबान को मदद पहुंचाने के काम में जुटा है। कैसे विदेशों से मिलने वाला धन तालिबान को उपलब्ध कराया जा रहा है। कालांतर में यदि हामिद करजई की सरकार के दौरान भारत व अफगानिस्तान के रिश्ते बेहतर हुए तो उसके मूल में सालेह की बड़ी भूमिका रही है। वे पहले ही इस बात की घोषणा कर चुके थे कि अमेरिकी-नाटो सेनाओं के हटते ही तालिबान अफगानिस्तान में हावी हो जायेगा। आज जब अमेरिकी सेना के निकलने के बाद सत्ता पर तालिबान का कब्जा हुआ है तो सालेह के निष्कर्षों के अनुरूप ही है। हालांकि, एक दशक पहले उनकी जमीनी हकीकत की रिपोर्ट के निष्कर्षों को अफगानिस्तान के सत्ताधीश भी स्वीकार नहीं कर रहे थे। यहां तक कि ओसामा बिन लादेन के पाक के आवासीय इलाके में रहने की सूचना अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों को देने वाले सालेह ही थे।

पाकिस्तान के मुखर विरोधी व तालिबान से लगातार लोहा लेने वाले सालेह सत्ता पलट के बाद विरोधियों के निशाने पर थे, लेकिन उनकी पकड़ में आने से पहले ही वे अपने अभेद्य किले पंजशीर घाटी सुरक्षित पहुंच गये। इससे पहले आईएसआई, तालिबानियों व पाक के निशाने पर रहने वाले सालेह पर कई जानलेवा हमले हो चुके हैं। बेहद दबंग माने जाने वाले सालेह कुछ मौकों पर जनरल मुशर्रफ व आईएसआई प्रमुख से भिड़ंत कर चुके हैं, जिससे उनकी बौखलाहट बार-बार सामने आई। आज सालेह अफगानिस्तान के राष्ट्रभक्त नागरिकों से तालिबान के खिलाफ नॉर्दन अलायंस की तर्ज पर मुहिम चलाने का आह्वान कर रहे हैं। वे अमेरिका व नाटो देशों को भी आड़े लेते हुए कह रहे हैं कि अफगानिस्तान वियतनाम नहीं है। बहरहाल, पंजशीर घाटी एक ऐसा अभेद्य किला है कि जहां के भूल-भुलैया का समझने में विफल तालिबानी वहां जाने से कतराते हैं। यह इलाका सालेह को सुरक्षा कवच देता है। यहां तक कि पिछले चालीस सालों में सोवियत सेनाएं, तालिबान व अमेरिकी सेनाएं कभी जमीनी कार्रवाई न कर सकी हैं। सालेह कह रहे हैं वे उन लाखों लोगों की आकांक्षाओं पर खरे उतरेंगे, जिन्होंने उन पर विश्वास जताया है। कहा जा रहा है कि वे अपने कमांडर अहमद शाह मसूद की विरासत संभाल सकते हैं।

मुद्दा

भगोड़े अफगानी नेतृत्व की लावारिस सेना

जयसिंह रावत

अफगानिस्तान पर तालिबान के बलात् कब्जे और वहां की 'लावारिस' सरकारी सेना के ध्वस्त हो जाने के बाद भारत में सैन्य प्रशिक्षण पा रहे डेढ़ सौ से अधिक अफगान अधिकारियों और जवानों का भविष्य अधर में लटक गया है। इनमें से सर्वाधिक युवा देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी से प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस अकादमी से हर छह महीने में लगभग 40 अफगानी युवा अधिकारी पास आउट हो कर अपनी सेना का नेतृत्व करते हैं। चूंकि अमेरिका के साथ ही भारत भी एक सशक्त और आत्मनिर्भर अफगानी सेना को तैयार करने में जुटा था, लेकिन जब राजनीतिक नेतृत्व ही भगोड़ा हो जाए तो फिर मजबूत से मजबूत सेना भी लावारिस हो जाती है।

अफगानिस्तान को एक विकसित और प्रगतिशील राष्ट्र बनाने के विभिन्न प्रयासों के साथ ही वहां की सेना को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से भारत अपने यहां भारतीय सैन्य अकादमी (आइएमए) देहरादून, ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) चेन्नई, नेशनल डिफेंस अकादमी, खड़कवासला (पुणे) आदि में प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराता है। अफगानिस्तान के अलावा भारत दशकों से भूटान, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, मालदीव, नेपाल एवं वियतनाम आदि 18 मित्र देशों की सेनाओं के युवा अधिकारियों को प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराता है। बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग के अलावा भारत अफगानिस्तान के सैन्य अधिकारियों को समय-समय पर विभिन्न स्थानों पर विशिष्ट सैन्य प्रशिक्षण भी देता है ताकि उनका प्रोफेशनल स्तर ऊंचा उठ सके। अफगानिस्तान समेत विभिन्न मित्र देशों के लिए सबसे बड़ी सैन्य प्रशिक्षण सुविधा देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में उपलब्ध है। यहां देशी और विदेशी, सभी जेंटलमैन कैडेट एक साथ प्रशिक्षण लेने के साथ ही एक साथ ग्रीष्म और शीतकालीन, दो दीक्षांत परेडों में पासआउट होते हैं। यद्यपि आइएमए की सभी पासिंग आउट या दीक्षांत परेडों का रिकार्ड फिलहाल उपलब्ध नहीं हो सका फिर भी अकादमी द्वारा जारी पिछली कुछ परेडों की विज्ञप्तियों के अनुसार दिसम्बर 2014 की शीतकालीन परेड में अफगानिस्तान के 44 जेंटलमैन कैडेट अकादमी से प्रशिक्षित हो कर पासआउट हुए। इसी प्रकार जून 2015 की ग्रीष्मकालीन परेड में भी 44, दिसम्बर 2018 में 49, दिसम्बर 2020 में 41 और जून 2021 की दीक्षान्त परेड में 43 युवा अफगानी अधिकारी अकादमी से पास आउट हुए। आइएमएम के अलावा भारत की इलीट सैन्य प्रशिक्षण अकादमी एनडीए खड़कवासला से भी अफगानी युवा सैन्य प्रिाक्षण के साथ ही ग्रेजुएशन प्राप्त करते हैं। भारत में सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे इन युवा सैन्य अधिकारियों का भविष्य तो अधर में लटक ही गया, लेकिन अफगानिस्तान में जान बचाने के लिए मची भगदड़ ने उनके परिवारों की खैरियत को लेकर उनकी बेचैनी बढ़नी स्वाभाविक ही है। उनकी चिन्ता का सबसे बड़ा कारण तालिबान का अफगानिस्तान की सरकारी सेना के प्रति नफरत और उनका क्रूरतम व्यवहार है। अब इनका भविष्य भारत सरकार के अगले कदम पर निर्भर है। अब यह सवाल भी उठता है कि आखिर हम इतने सैन्य अफसर किसके लिए तैयार कर रहे हैं? विगत कई वर्षों से भारत अफगानिस्तान के सशस्त्र बलों को आतंकवाद विरोधी प्रशिक्षण भी देता रहा है। अफगानी युवा अधिकारियों को इन्फेंट्री स्कूल में 'यंग आफिसर्स कोर्स और मिजोरम के वैरेंग्टे स्थित संस्थान में जंगल वारफेयर और आतंकवाद विरोधी प्रिाक्षण भी देता रहा है। ऐसे विशिष्ट संस्थानों में प्रति वर्ष लगभग 700 से लेकर 800 तक अफगानी सैन्यकर्मी प्राक्षण पाते रहे हैं। यह भी सवाल है कि क्या हमारी मेहनत और मदद अकारथ गई? पिछले ही महीने अफगानिस्तान के सेना प्रमुख जनरल वली मोहम्मद अहमदजई का भारत के साथ और अधिक सैन्य सहयोग बढ़ाने के इरादे से भारत आने का कार्यक्रम था, लेकिन तालिबानियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए उन्हें अपना दौरा स्थगित करना पड़ा।

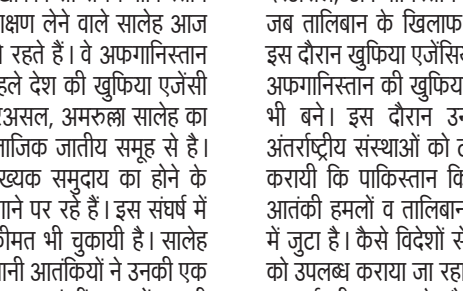

सैन्य प्रशिक्षुओं की भांति भारत में स्कॉलरशिप के आधार पर पढ़ रहे छात्रों के समक्ष भी गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। भारत में इस तरह के लगभग 2200 छात्र बताए जा रहे हैं। हालांकि उनकी देखभाल की जिम्मेदारी इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशन की है फिर भी उनके देश में मची भगदड़ के कारण उनका भी अपने परिजनों को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक ही है। छात्रों के अलावा विभिन्न अन्य क्षेत्रों में आपसी सहयोग के अंतर्गत कार्यरत या प्रशिक्षणरत अफगानी विशेषज्ञों का भविष्य भी अधर में लटका हुआ है। फिर भी फिलवक्त वहां तालिबान ही तालिबान है, इसलिए भारत की विदेश नीति और कूटनीति दोनों के लिए परीक्षा की घड़ी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तब बाढ़ में भी नहीं डूबेंगे धान के पौधे !

तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। अब जापानी वैज्ञानिकों ने ऐसे जीनों का पता लगाया है जिनके जरिए चावल के पौधे का विकास इस तेजी से बढ़ाया जा सकता है कि वह पानी में डूबे ही नहीं।

भारत में चावल उगाने वाले किसान जहां बरसात के लिए तरसते हैं, वहीं उससे बहुत डरते भी हैं। उनके मन में कई सवाल होते हैं, क्या बरसात ठीक वक्त पर आएगी, ज़्यादा तेज और लंबी तो नहीं होगी, कितनी बार फसल बरसात की वजह से खराब हो जाती है और हज़ारों किसानों के लिए भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई देशों में भी गुजारा करना मुश्किल हो जाता है।

अक्सर यह देखा गया है कि तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। खेतों मे बढ़ता हुआ जलस्तर चावल के पौधों के लिए सामान?यत- अच्छा ही रहता है, लेकिन यह ज़रूरी है कि पौधे के उपरी हिस्से हवा के संपर्क में बने रहें। हालांकि मानसूनी इलाकों में बरसात और बाढ की वजह से चावल के खेतों में पानी इतना ज?यादा भर जाता है कि धान के पौधे बिल्कुल डूब जाते हैं तथा इससे वे सड़ने लगते हैं और मर भी जाते हैं।

गौरतलब है कि गहरे पानी में उगनेवाले चावल की प्रजाति को जलजमाव से कोई समस्या नहीं होती। पानी के साथ-साथ उसके तने वाले डंठल भी बढ़ते जाते हैं।

जापान के नागोया विश्वविद्यालय के मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं-

गहरे पानी में उगने वाले चावल के पौधे, पानी की गहराई से ऊपर बने रहने के लिए, एक मीटर तक बढ़ सकते हैं। वे हवा के संपर्क में बने रहने के लिए ऐसा करते है। वे अंदर से खोखले होते हैं, लेकिन उसके जरिए पौधा पानी की सतह से उपर पहुंच सकता है और ऑक्सीजन पा सकता है। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप गोताखोरी कर रहे होते हैं, तो पानी से ऊपर निकली एक नली से सांस लेते हैं।

बरसात के समय ऐसे चावल के तने 25 सेंटीमीटर प्रतिदिन की एक अनोखी गति से बढ़ सकते हैं। अशिकारी और उनकी टीम ने इस प्रक्रिया को समझने के लिए इस चावल के जीनों से यह समझने की कोशिश की कि चावल बरसात के वक्त अपने विकास को किस तरह नियंत्रित करता है। अध्ययनों से अब तक जितना पता चला है वह यह है कि एक गैसीय विकास-हॉर्मोन एथीलिन इसके लिए जिम्मेदार है, जैसाकि नीदरलैंड के उएतरेश्त विश्वविद्यालय के रेंस वोएसेनेक बताते हैं-

जब पौधा पूरी तरह पानी में डूब जाता है तब यह गैस ठीक तरह से मुक्त नहीं हो पाती। यू कहें कि वह पौधे में ही कैद हो जाती है। यानी पौधे में एथिलिन की मत्रा बढ़ने लगती है। यह पौधे के लिए संकेत है कि वह पानी में डूब रहा है और उसे कुछ करना है।

जापानी विशेषज्ञों ने पता लगाने की कोशिश की कि कौन से जीन इस स्थिति में सक्रिय होते हैं। उन्होने ऐसे जीन पाए जिनको वे गोताखोरी में इस्तेमाल होनेवाली नली के अनुरूप स्नोर्कल जीन कहते हैं। ये जीन तभी सक्रिय होते हैं जब पौधे के तने में एथिलिन की मात्रा बढ़ने लगती है। वे पौधे के विकास को तेज करने वाले दूसरे तत्वों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं-

हमने क्रॉमोसोम 1,3 और 12 पर यह तथाकथित नलिका जीन पाए। उन्हें यदि सामान्य चावल के पौधों में भी मिलाया जा सके, तो बरसात के वक्त सामान्य चावल के पौधे भी वही करेंगे जो गहरे पानी में उगने वाला चावल करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम चावल की हर प्रजाति को गहरे पानी में उगने वाले चावल की प्रजाति बना सकते हैं।

यानी इन जीनों की मदद से चावल की उस फसल को बचाया जा सकता है जो पानी की अधिकता के प्रति बहुत संवेदनशील है। जहां अक्सर बाढ आती है वहां के किसानों की इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक और समस्या भी दूर हो सकती है - गहरे पानी में उगने वाला चावल बहुत ही कम फसल देता है, प्रति हेक्टेयर सिर्फ एक टन जो उपजाऊ क़िस्मों की तुलना में सिर्फ 20 फीसदी के बराबर है। नीदरलैंड के विशेषज्ञ रेंस वोएसेनेक बहुत ही आशावादी हैं-

विकास के लिए जिम्मेदार इन जीनों के बारे में पता चल जाने के बाद अब हम चावल की अलग-अलग प्रजातियों के बीच प्रकृतिक संवर्धन के जरिए, यानी वर्णसंकर के जरिए भी इन जीनों को उनके पौधे में डाल सकते हैं। इसके लिए किसी जीन तकनीक जरूरत ही नहीं हैं।

जापान के विशेषज्ञों ने यह काम शुरू कर भी दिया है। उनके अध्ययनों से एक बार फिर पता चलता है कि पौधों के संवर्धन के लिए उनके जीनों में असामान्य गुणों की तालाश कितनी जरूरी है।

कुदरती खेती का एक अनूठा प्रयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है। प्रकृति की कृपा तथा हमारे किसानों कि आर्थिक मेहनत से हमारी भूमि सदा उपजाऊ रही है। प्राचीन समय में हमारी खेती प्राकृतिक संपदा व संसाधनों पर ही निर्भर थी और देश की खाद्यान्नों सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती थी। जैसे-जैसे देश में शहरीकरण व औद्योगिकरण बढते गये , गांवों से लोग खेती को छोड़ शहरों की ओर आते गये। प्राकृतिक खेती पध्दति कम होती गई और रासायनिक खाद आदि का प्रयोग बढता गया। ज़मीन की उत्पादकता घटती गई और साथ ही किसान की आय भी। सन 1965 में भारत में हरित क्रांति आयी जिससे उपज तो बढी मगर रासायनिक उरवरक तथा अन्य उत्पादों के अन्धाधुन्ध प्रयोग से मिटटी की उत्पादकता भी कम होती गयी।

यूरोप, अमरीका व एशिया में सन् 1940-50 के दकों में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की प्रक्रियाओं पर बहुत प्रयोग किये गये। खेती कि ये विधायें भारत में सन 1980 के दशक से आगे बढी हैं। जैविक खेती की पद्धति में रासायनिक पध्दाथों का प्रयोग वर्जित है। प्राकृतिक खेती में केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं व संसाधनों का ही प्रयोग होता है। आधुनिक खेती या रासायनिक खेती प्रकृति के खिलाफ है। रासायनिक खादों व कीटनाशकों से हमारे खेतों की मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु और जैव तत्त्व मर रहे हैं और वह बंजर हो जाती है। कुदरती खेती प्रकृति के साथ होती है। यद्यपि प्राकृतिक खेती की शुरूआत जापान के कृषि वैज्ञानिक फुकुओवा ने की है लेकिन हमारे यहां भी ऐसी खेती होती रही है। मंडला के बैगा आदिवासी बिना जुताई की खेती करते हैं जिसे झूम खेती कहते हैं।

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद ज़िले के एक फार्म मे लगभग पिछले 25 वर्षों से प्राक्रतिक खेती, जिसे कुदरती खेती भी कहते है, हो रही है। करीब 12 एकड़ के इस फार्म में सिर्फ 1 एकड़ में खेती की जा रही है। यहां बिना जुताई (नो टिलिग) और रासायनिक खाद के खेती की जा रही है। बीजों को मिट्टी की गोली बनाकर बिखेर दिया जाता है और वे उग आते हैं। यह सिर्फ खेती की एक पद्धति भर नहीं है बल्कि जीवनशैली है। यहां का अनाज, फल पानी और हवा शुध्द है। यहा कुआं है, जिसमें पर्याप्त पानी है। बिना जुताई के खेती मुश्किल है, ऐसा लगना स्वाभाविक है। पहली बार सुनने पर विश?वास नहीं होता लेकिन देखने के बाद सभी शंकाएं निर्मूल हो जाती हैं। दरअसल, इस पर्यावरणीय पद्धति में मिट्टी की उर्वरता उत्तारोतर बढ़ती जाती है।

बाकी के 11 एकड़ में सुबबूल (आस्टेलियन अगेसिया) का जंगल है। सुबबूल एक चारे की प्रजाति है। इस जंगल से मवेशियों का चारा और लकड़ियां मिल जाती हैं। लकड़ियों की टाल है, जहां से जलाऊ लकड़ी बिकती हैं, जो फार्म की आय का मुख्य स्रोत है। एक एकड़ जंगल से हर वर्ष करीब ढाई लाख रूपये की लकड़ी बेच लेते हैं।

गेहूं के खेतों में हवा के साथ गेहूं के हरे पौधे लहलहाते हैं। खेत में फलदार और अन्य जंगली पेड़ हैं जिनके नीचे गेहूं की फसल होती है। आम तौर पर खेतों में पेड़ नहीं होते हैं लेकिन यहां अमरूद, नीबू और बबूल के पेड़ हैं जिन के कारण खेतों में गहराई तक जड़ों का जाल बुना रहता है। इससे भी जमीन ताकतवर बनती जाती है। अनाज और फसलों के पौधे पेड़ों की छाया तले अच्छे होते हैं। छाया का असर जमीन के उपजाऊ होने पर निर्भर करता है। चूंकि यहां जमीन की उर्वरता अधिक है, इसलिए पेड़ों की छाया का फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

इन खेतों में पुआल, नरवाई, चारा, तिनका व छोटी-छोटी टहनियों को पड़ा रहने देते हैं, जो सड़कर जैव खाद बनाती हैं। खेत में तमाम छोटी-बड़ी वनस्पतियों के साथ जैव विविधताएं आती -जाती रहती हैं। और हर मौसम में जमीन ताकतवर होती जाती है। इस जमीन में पौधे भी स्वस्थ और ताकतवर होते हैं जिन्हें जल्द बीमारी नहीं घेरती।

यहां जमीन को हमेशा ढककर रखा जाता है। यह ढकाव हरा या सूखा किसी भी तरह से हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस ढकाव के नीचे अनगिनत जीवाणु, केंचुए और कीड़े-मकोड़े रहते हैं और उनके ऊपर-नीचे आते-जाते रहने से जमीन पोली और हवादार व उपजाऊ बनती है।

आमतौर पर किसान अपने खेतों से अतिरिक्त पानी को नालियों से बाहर निकाल देते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जाता। बारिश में कितना ही पानी गिरे, वह खेत के बाहर नहीं जाता। खेतों में जो खरपतवार, ग्रीन कवर या पेड़ होते हैं, वे पानी को सोखते हैं। इससे एक ओर खेतों में नमी बनी रहती है, दूसरी ओर वह पानी वाश?पीकृत होकर बादल बनता है और बारिश में पुन् बरसता है। इसके विपरीत, जब जमीन की जुताई की जाती है और उसमें पानी दिया जाता है तो खेत में कीचड़ हो जाती है। बारिश होती है तो पानी नीचे नहीं जा पाता और तेजी से बहता है। पानी के साथ खेत की उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। इस तरह हम मिट्टी की उपजाऊ परत को बर्बाद कर रहे हैं और भूजल का पुनर्भरण भी नहीं कर पा रहे हैं। साल दर साल भूजल नीचे चला जा रहा है।

यहां खेती भोजन की जरूरत के हिसाब से होती हैं, बाजार के हिसाब से नहीं। जरूरत एक एकड़ से ही पूरी हो जाती है। यहां से अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं, जो परिवार की जरूरत पूरी कर देती हैं। जाड़े मे गेहूं, गर्मी में मक्का व मूंग और बारिश में धान की फसल ली जाती है। कुदरती खेती में भूख मिटाने के साथ समस्त जीव-जगत के पालन का विचार है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण होता हैं। इसे ऋषि खेती भी कहते हैं क्योंकि ऋषि मुनि कंद-मूल, फल और दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करते थे, बहुत कम जमीन पर मोटे अनाजों को उपजाते थे। वे धरती को अपनी मां के समान मानते थे, उससे उतना ही लेते थे जितनी जरूरत थी। अत- कुदरती खेती का यह प्रयोग सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड ने पहली पारी में बनाए 432 रन, हासिल की 354 रनों की बढ़त

लीड्स टेस्ट (लंच रिपोर्ट) : भारत ने बनाए 1/34, अभी 320 रन पीछे

लीड्स (एजेंसी)।

भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन लंच ब्रेक तक दूसरी पारी में एक विकेट पर 34 रन बनाए और वह अभी भी इंग्लिश टीम से 320 रन पीछे चल रहा है।

भारत की पहली पारी 78 रन पर सिमटी थी जबकि इंग्लैंड की पहली पारी आज 432 रन बनाकर आउट हुई और उसने 354 रनों की बढ़त हासिल की। लंच तक रोहित शर्मा 61 गेंदों पर दो चौकों एक छक्के की मदद से 25 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इंग्लैंड की ओर से क्रैग ओवरटोन को अबतक एक सफलता मिली है।

इंग्लैंड को पहली पारी में ऑलआउट करने के बाद उतरी टीम इंडिया ने संभल कर खेलना शुरू किया। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाने की भरपूर कोशिश की। इस बीच, ओवरटोन ने लोकेश राहुल को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। राहुल ने 54 गेंदें खेल आठ रन बनाए।

इससे पहले, इंग्लैंड ने आज आठ विकेट पर 423 रन से आगे खेलना शुरू किया और ओवरटोन ने 24 और ओली रॉबिंसन ने खाता खोले बिना पारी आगे बढ़ाई। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड के शेष दो विकेट जल्द गिराकर उसकी पहली पारी का अंत किया।

मोहम्मद शमी ने पहले ओवरटोन को पगबाधा आउट कर इंग्लैंड को नौवां झटका दिया, जिन्होंने 42 गेंदों पर छह चौकों के सहारे 32 रन बनाए। इसके अगली ही ओवर में जसप्रीत बुमराह ने रॉबिंसन को खाता खोले बिना आउट कर इंग्लैंड का आखिरी विकेट गिरा दिया। रॉबिंसन 15 गेंदें खेल खाता खोले बिना आउट हुए जबकि जेम्स एंडरसन खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। भारत की ओर से शमी ने चार विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज, रवींद्र जडेजा और बुमराह को दो-दो विकेट मिला।

पैरालंपिक साइकिलिंग में पोलैंड के पदक विजेता मार्सिन पोलाक डोपिंग जांच में पॉजिटिव

तो यो। (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय साइकिलिंग संघ (यूसीआई) ने शुक्रवार को बताया कि तोक्यो पैरालंपिक के पदक विजेता पोलैंड के मार्सिन पोलाक को डोपिंग जांच में पॉजिटिव पाये जाने के बाद अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। पोलाक का नमूना तोक्यो पैरालंपिक के शुरू होने से तीन सप्ताह पहले पोलैंड में लिए गया था जिसकी जांच में प्रतिबंधित पदार्थ की पुष्टि हुई है।

उन्होंने बुधवार को पुरुषों की बी 4,000 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था, जिसे वापस लिया जा सकता है। वारसॉ स्थिति परीक्षण प्रयोगशाला ने बुधवार को ही उनके नमूने के पॉजिटिव आने की सूचना यूसीआई को दी थी। रोड एवं ट्रैक स्पर्धा के पूर्व विश्व चैम्पियन पोलाक को शनिवार को पुरुषों की बी 1000 मीटर टाइम ट्रायल स्पर्धा में भाग लेना था।

काबुल विस्फोट से दुखी हुए राशिद और नबी

काबुल। अफगानिस्तान के क्रिकेटर राशिद खान और मोहम्मद नबी ने सोशल मीडिया के जरिए काबुल में हुए धमाके पर निराशा जताई है। काबुल एयरपोर्ट के बाहर गुरूवार की रात हुए दो धमाकों में करीब 72 लोगों की मौत हुई है और 140 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। राशिद ने ट्वीट कर कहा, काबुल एक बार फिर रक्तरंजित हो रहा है। कृपया अफगान को मारना बंद करो। नबी ने ट्वीट कर लिखा, मैं अपने देशवासियों, जिन्होंने इस हमले में काबुल हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र में अपनी जान गंवाई, के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। हम कड़ी से कड़ी शब्दों पर ऐसे हमलों की निंदा करते हैं और दुनिया से आग्रह करते हैं कि इस कठिन समय से निकलने में अफगानों की मदद करें। यह दूसरी बार है जब राशिद ने सोशल मीडिया पर अफगानिस्तान की स्थिति के बारे में दुनिया और उसके नेताओं से अपील की। स्टार लेग स्पिनर ने 10 अगस्त को ट्वीट कर दुनिया के नेताओं से अपने देशवासियों को अराजकता में नहीं छोड़ने का अनुरोध किया था।

पैरालम्पिक :सर्बिया की खिलाड़ी को हराकर पैडलर भाविनाबेन पटेल ने सेमीफाइनल में किया प्रवेश

तो यो (एजेंसी)।

भारत की भाविना पटेल ने यहां चल रहे टोक्यो पैरालम्पिक खेलों में महिला टेबल टेनिस एकल क्लास 4 के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही देश के लिए पदक सुनिश्चित कर लिया।

अहमदाबाद की 34 वर्षीय भाविना ने 2016 रियो पैरालम्पिक की स्वर्ण पदक विजेता सर्बिया की बोरिसलावा पेरिच रांकोविच को सीधे गेमों में 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भाविना ने 19 मिनट तक चले मुकाबले में रांकोविच को 11-5,11-6, 11-7 से हराया।

भाविना पहली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं जिन्होंने पैरालम्पिक खेलों के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। सेमीफाइनल में भाविना का सामना शनिवार को चीन की झांग मिआ से होगा। भाविना को ग्रुप ए के मुकाबले में चीन की झोउ यिंग के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद उन्होंने बेहतरीन तरीके से वापसी की और दो नॉकआउट मुकाबले जीतकर पदक पक्का किया। भाविना ने इससे पहले राउंड-16 में 23 मिनट तक चले मुकाबले में ब्राजील की जिओसी डी ओलिविएरिआ को 12-10, 13-11, 11-6 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

पैरालंपिक : शॉट पुट में भारत का निराशाजनक प्रदर्शन, टेक चंद पदक की दौड़ से बाहर

तोक्यो। जापान के तोक्यो में हो रहे पैरालंपिक के तीसरे दिन भारतीय खिलाड़ियो का प्रदर्शन अच्छा रहा। लेकिन भारतीय खिलाड़ी टेक चंद शॉट पुट में बेहतरीन प्रदर्शन करने से चूक गए। एथलेटिक्स में पुरुषों की शॉट पुट में भारत की तरफ से खेल रहे टेक चंद ने 9.04 मीटर की स्पीड में शॉट पुट फेंका, लेकिन वह पहले ही पदक की दौड़ से बाहर हो गए।

पावरलिफ्टिंग

वहीं बात करें पुरुषों के 65 किलोग्राम पावरलिफ्टिंग में भारत की तरफ से खेल रहे जयदीप देसवाल 160 किग्रा, 160 किग्रा और 167 किग्रा के अपने तीन प्रयासों में एक भी लिफ्ट दर्ज नहीं कर पाए। चीन की तरफ से खेल रहे खिलाड़ी लेई लियू ने 198 किग्रा की सर्वश्रेष्ठ लिफ्ट के साथ स्वर्ण पदक जीता और पावरलिफ्टिंग में लगातार चौथा पैरालंपिक स्वर्ण पदक हासिल किया है।

आईपीएल 2021 : केकेआर की टीम अबु धाबी रवाना

मुंबई। दो बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शुक्रवार को आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के लिए अबु धाबी रवाना हो गई। तेज गेंदबाज शिवम मावी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सेल्फी पोस्ट की जिसमें उनके साथ कुलदीप यादव, कमलेश नागरकोटी और राहुल त्रिपाठी एयरक्राफ्ट के अंदर पीपीई किट में नजर आ रहे हैं। टीम कुछ दिनों तक मुंबई में क्वारंटीन में रह रही थी। टीम के भारतीय सदस्य टीम मैनजमेंट और सहायक स्टाफ के साथ सबसे पहले यूएई के लिए रवाना हो रहे हैं। केकेआर से पहले चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस की टीम पहले ही यूएई पहुंच चुकी है जहां उसने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। दिल्ली कैपिटल्स की टीम भी वहां पहुंच चुकी है लेकिन उसने अपना क्वारंटीन पीरियड पूरा कर लिया है। केकेआर की टीम फिलहाल सात मैचों में चार अंकों के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। कोलकाता का सामना 20 सितंबर को अबु धाबी में रॉयल चेलेंजर्स बेंगलोर के साथ होना है।

अश्विन को तीसरे टेस्ट से बाहर रखना पड़ा भारी, टीम सिलेक्शन में फिर चूके कप्तान कोहली

लीड्स (एजेंसी)।

हेडिंग्ले के लीड्स में चल रहा तीसरा टेस्ट अब लगातार इंग्लैंड के पक्ष में जा रहा है। लेकिन विराट कोहली इस एकतरफा मैच में जान डाल सकते थे अगर जीती हुई टीम से छेड़छाड़ ना करने के पारंपरिक ख्याल को अपने मन से निकाल देते।

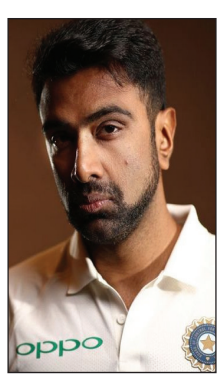

ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को अंतिम एकादश में जगह नहीं देने पर हो रही बहस के बीच कोहली ने मैच से पहले साफ कर दिया था कि मैच के लिए विजयी एकादश में कोई बदलाव करने पर विचार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि भारत पिच की स्थिति को देखते हुए अश्विन को खिलाने की कोशिश कर सकता है, लेकिन अंतिम निर्णय पर उन्होंने लॉर्ड्स की टीम को ही लीड्स पर खिलाया।

बल्लेबाजी होती मजबूत

इसका खामियाजा भारत को भुगतना पड़ा। अगर आर अश्विन इशांत शर्मा की जगह खेलते तो भारत को काफी फायदा होता। पहला तो बल्लेबाजी में गहराई मिल जाती। तो शायद 78 का स्कोर कम से कम 100 रनों पार हो सकता था। और अश्विन ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ ही शतक जमाया था। वहीं हेडिंग्ले की पिच पर दिन जैसे जैसे आगे बढ़ा स्पिन को मदद मिलती रही। कल रविंद्र जड़ेजा ने हसीब हमीद को एक बेहतरीन गेंद पर आउट किया। जड़ेजा इस सीरीज में विकेट लेने वाले पहले भारतीय स्पिनर बने। इसके अलावा कई मौकों पर जड़ेजा विकेट लेने के बहुत करीब भी दिखे। अगर जड़ेजा को पिच से इतनी मदद मिल सकती है जो कि एक पार्ट टाइम स्पिनर या फिर ऑलराउंडर के रूप में जाने जाते हैं तो फिर आर अश्विन को तो लीड्स में काफी सफलता मिलने के आसार थे। बात पहले बल्लेबाजी की हो या फिर दूसरी बल्लेबाजी की अश्विन का होना टीम के लिए फायदे का ही सौदा होता क्योंकि लीड्स पर अब लगातार धूप दिखाई दे रही है। इसके चलते पिच की दरारें चौड़ी होंगी जो अंतत स्पिनर को ही मदद करेंगी।

नीदरलैंड की फेर्ड्रिक टी 20 मैच में 7 विकेट लेने वाली पहली तेज गेंदबाज बनीं

कार्टाजेना। नीदरलैंड की गेंदबाज फेड्रिक ओवरडिक टी 20 मैच में सात विकेट लेने वाली पहली तेज गेंदबाज बन गई हैं। फेड्रिक ने फ्रांस महिला टीम के खिलाफ गुरूवार को खेले गए महिला टी 20 विश्व कप यूरोप क्वालीफायर्स मुकाबले में चार ओवर में तीन रन देकर सात विकेट झटके। फेड्रिक की शानदार गेंदबाजी के दम पर फ्रांस की टीम 17.3 ओवर में 33 रन पर सिमट गई। नीदरलैंड की टीम ने 3.3 ओवर में एक विकेट पर 34 रन बनाकर नौ विकेट से यह मुकाबला जीता। फेड्रिक ने छह बल्लेबाजों को बोल्ड किया जबकि एक बल्लेबाज को पगबाधा आउट किया। यह पहली बार है जब किसी पुरुष या महिला गेंदबाज ने टी20 मुकाबले में सात विकेट लिए हैं। इससे पहले टी 20 के एक मैच में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड नेपाल की अंजली चंद के नाम था जिन्होंने मालदीव के खिलाफ 2019 में एक भी रन दिए बिना छह विकेट लिए थे।

एशियाई जूनियर चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचे तीन भारतीय!

नयी दिल्ली। भारत के तीन मुक्केबाज दुबई में चल रही एशियाई जूनियर चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच गए। तनु (52 किलो), निकिता चंद (60 किलो) और विशु राठी (48 किलो) ने फाइनल में जगह बनाई। तनु ने नेपाल की स्वस्तिका को 5 . 0 से हराया जबकि निकिता ने उजबेकिस्तान की मुखुसा तोखिरोवा को 5 . 0 से ही मात दी। राठी ने दो मिनट से भी कम समय में मंगोलिया की ओतगोंबात येसुंखुस्लेन को हराया। वहीं आशीष (54 किलो) और अंशुल (57 किलो) को सेमीफाइनल में हार के बाद कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। टूर्नामेंट में युवा वर्ग में विजेता को 6000 डॉलर जबकि रजत पदक विजेता को 3000 और कांस्य पदक जीतने पर 1500 डॉलर दिये जायेंगे।वहीं जूनियर चैम्पियन को 4000 डॉलर, रजत पदक पर 2000 और कांस्य पदक पर 1000 डॉलर दिये जायेंगे। भारत के छह मुक्केबाज एशियाई युवा चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच चुके हैं।

बीमारी के कारण पैरालंपिक की एक स्पर्धा में हिस्सा नहीं ले पाएंगो तैराक जाधव- अधिकारी

तोक्यो। तैराक सुयश जाधव शुक्रवार को पैरालंपिक खेलों की 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले एसएम7 स्पर्धा में हिस्सा नहीं ले पाएंगे क्योंकि उन्हें सर्दी लगी है और उनके गले में खराश है। भारतीय दल के मिशन प्रमुख गुरशरण सिंह ने गुरुवार को कहा कि जाधव मौसम बदलने से बीमार हो गए हैं और डॉक्टरों ने उन्हें शुक्रवार को प्रतिस्पर्धा नहीं पेश करने की सलाह दी है। उसकी कोविड-19 रिपोर्ट हालांकि नेगेटिव आई है। गुरशरण ने पीटीआई से कहा, ''जाधव को ठंड लगी है और उसके गले में खराश है। डॉक्टरों ने कहा है कि उसे आराम करना चाहिए। इसलिए हमने फैसला किया है कि वह कल स्पर्धा में हिस्सा नहीं लेगा लेकिन वह अन्य दो स्पर्धाओं के लिए ठीक हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''उसकी कोविड रिपोर्ट नेगेटिव आई है।'' करंट लगने के कारण 11 साल की उम्र में जाधव के दोनों हाथ कोहनी के नीचे से काटने पड़े थे। वह एक सितंबर को 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक एसबी7 और तीन सितंबर को 50 मीटर बटरफ्लाई एस7 स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। जकार्ता में 2018 एशियाई पैरा खेलों में जाधव ने 50 मीटर बटरफ्लाई एस7 स्पर्धा में स्वर्ण और 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले तथा 50 मीटर फ्रीस्टाइल एस7 स्पर्धा में रजत पदक जीते थे।

भारतीय पहलवान रवि दहिया ने कहा- ओलंपिक को लेकर मेरा ध्यान सिर्फ तैयारी पर था

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले भारतीय पहलवान रवि दाहिया ने शुक्रवार को यहां कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण खेलों के आयोजन से जुड़ी अनिश्चितता के बारे में सोचे बिना वह पूरा ध्यान अपनी तैयारी पर दे रहे थे। भारतीय कुश्ती महासंघ और टाटा मोटर्स के प्रायोजन करार के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में जब रवि से लॉकडाउन के दौरान तैयारियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, '' लॉकडाउन के दौरान मैं 15-20 पहलवानों के साथ अखाड़े में ही था और जब अभ्यास की अनुमति मिली तोमैं ओलंपिक के बारे में सोचे बिना अपनी तैयारी कर रहा था।'' उन्होंने कहा, '' मेरे दिमाग में बस यही था कि अगर यह ओलंपिक (तोक्यो) नहीं भी होगा तो अगला ओलंपिक आयेगा और उससे पहले कई प्रतियोगिताओं में भाग लेना होगा। यह मेरा पहला ओलंपिक था इसलिए मैं इसके बारे में ज्यादा चिंतित नहीं था।''ं

कोविड-19 के कारण एक साल के लिए स्थगित होने के बाद ओलंपिक का आयोजन जुलाई-अगस्त 2021 में हुआ। रवि ने इन खेलों में 57 किलोग्राम भार वर्ग की फ्रीस्टाइल वर्ग में इतिहास में रचते हुए रजत पदक अपने नाम किया था। ऐसा करने वाले देश के दूसरे पहलवान बने। इन खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले बजरंग पूनिया ने कहा कि चोट के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ लेकिन वह आगे मजबूती से वापसी करेंगे। बजरंग ने कहा, '' प्रतियोगिता के दौरान चोटिल होना काफी नुकसानदायक होता है। मैं ओलंपिक से पहले चोटिल हो गया था, जिसका खामियाजा मुझे उठाना पड़ा। चोट के बाद भी मैंने अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ किया।'' उन्होंने कहा कि चिकित्सकों ने उन्हें फिलहाल आराम करने की सलाह दी है। बजरंग ने कहा, '' ओलंपिक से पहले मै चोट से पूरी तरह से नहीं उबर पाया लेकिन अब खुद को ठीक करने की कोशिश कर रहा हूं। यहां आने के बाद मैंने चिकित्सकों से परामर्श ली है जिन्होंने मुझे आराम करने की सलाह दी है।''

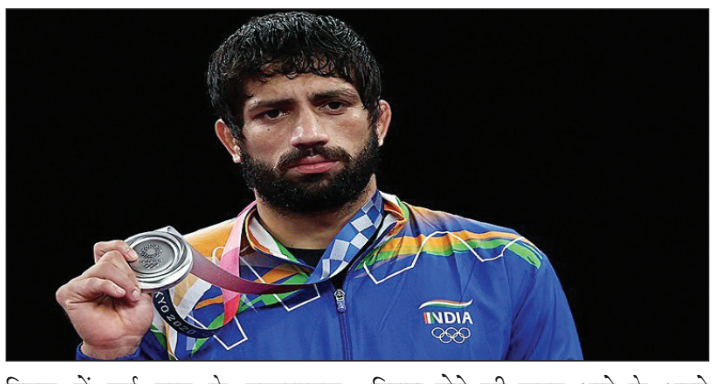

दूसरी बार ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा कि कुश्ती के खिलाड़ियों के लिए चोट से उबरना मैट पर मुकाबला करने जैसा ही होता है। उन्होंने कहा, ''चोट लगने पर सबसे जरूरी बात होती है धैर्य और आत्मविश्वास बनाये रखना। इस समय दिमाग में कई तरह के नकारात्मक विचार आते है। इस समय डाइट (पोषण) का ध्यान उसी तरह से रखना होता होता है जैसा की प्रतियोगिता के दौरान होता है। इस दौरान मानसिक तौर पर आपको वैसे ही रहना होता है जैसे की आप मैट (प्रतियोगिता के समय) पर उतरने के दौरान होते है।'' विनेश ने कहा कि वह अब तोक्यो के प्रदर्शन पर निराश होने की जगह आगे के अपने खेल पर ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा,''यह मेरा दूसरा ओलंपिक था। अपने पहले ओलंपिक में मैं चोटिल हो गयी थी। अब मुझे हार का सामना करना पड़ा और मैं इसे स्वीकार करती हूं। मैं आगामी प्रतियोगिताओं से पहले कमजोरियों पर काम करूंगी।

अमिताभ बच्चन ने चेहरे लिए नहीं लिया एक भी पैसा!

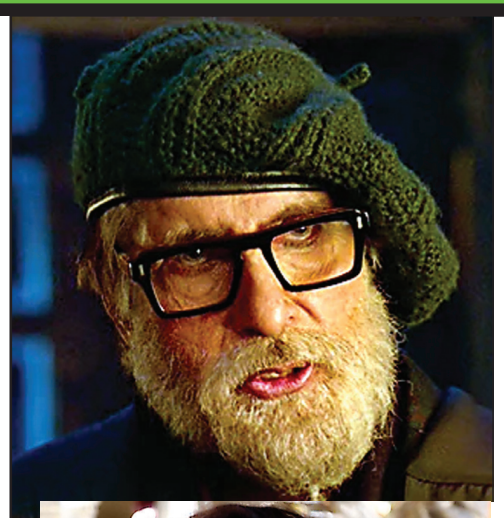

बॉलीवुड में अमिताभ बच्चन यूं ही नहीं शहंशाह कहलाते हैं। उनका काम और दरियादिली से लोग खुश होकर उनको सम्मान देने के लिए उन्हें इस नाम से बुलाते हैं। इसी बीच अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर से कुछ ऐसा कर दिया है, जिसकी तारीफें हर जगह होने लगी है। खबर है कि बिग बी ने फिल्म चेहरे के लिए डायरेक्टर से काम करने का फीस तक नहीं लिया है। इतना ही नहीं उन्होंने शेट तक जाने के लिए खुद अपना पैसा खर्च किया। फिल्म के प्रोड्यूसर आनंद पंडित ने कहा, फिल्म चेहरे के लिए अमिताभ ने एक पैसा भी नहीं लिया है। क्योंकि उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत इंटरेस्टिंग लगी की उन्होंने इसके लिए एक भी पैसा लेने से उचित नहीं समझा और इनकार कर दिया।

-सेट तक आने-जाने का खर्चा खुद उठाते थे अमिताभ बच्चन

आनंद पंडित आगे बताते हैं कि अमिताभ अपने लाइफ में बहुत ही प्रोफेशनल हैं। वह कभी भी अपने लोगों को परेशान नहीं देख सकते हैं। वो कहते हैं कि अमिताभ सर इतने प्रोफेशनल हैं कि सेट तक आने और जाने का खर्चा भी वे खुद ही भरते थे। यहां तक कि विदेशी लोकेशंस पर फिल्म की शूटिंग के लिए जाने के लिए भी अमिताभ खुद ही चार्टर प्लेन का खर्च उठाते थे। आनंद पंडित ने खुलासा किया कि टैक्स बुक भरते वक्त किसी भी तरह की समस्या ना आए तो इसलिए हमने अमिताभ के नाम के आगे फेंडली अपीयरेंस लिखने का फैसला किया है।

-27 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म चेहरे

फिल्म चेहरे 27 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है। फिल्म का ट्रेल धांसु टेलर देखने के बाद दर्शक फिल्म देखने के लिए लंबे समय से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ इमरान हाशमी भी लीड रोल में हैं। फिल्म का डायरेक्शन रूमी जाफरी ने किया है। कोविड -19 महामारी के बीच सिनेमाघरों में रिलीज होने पर निर्देशक उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ा नर्वस भी हैं।

क्रिस्टेल डिसूजा ने बिग बी के साथ साझा किया अपना यादगार पल

वह अपने सपनों में भी नहीं सोच सकती थी कि भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ वो बॉलीवुड में अपनी शुरूआत करेंगी। चेहरे की अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा का कहना है कि बिग बी से मिलना और उनके साथ बातचीत शुरू करना उनके लिए काफी नर्वसनेस वाला मूमेंट था, लेकिन बिग बी ने इसे काफी आसान बना दिया था। क्रिस्टल ने बताया कि मैं आपको बता भी नहीं सकती कि मैं कितनी नर्वस थी और शूटिंग के पहले दिन पहली बार मेरी मां मेरे साथ आई थी। बेशक, मेरी मां का भी मिस्टर बच्चन से मिलने का सपना था क्योंकि हमारा परिवार बिग बी का फैन हैं। लेकिन जब मैंने पहली बार उन्हें देखा, तो मैं काफी नर्वस हो गई साथ ही परेशान भी। एक पल के लिए मुझे नहीं समझ आ रहा था कि बातचीत कैसे शुरू करूं। लेकिन तभी वह मेरी ओर चलकर आए, और कहा, नमस्ते क्रिस्टल, मैं अमिताभ बच्चन हूं, आपसे मिलकर अच्छा लगा। और फिर सर मुस्कुराए। मुझे लगता है कि यह पल मेरे लिए सबसे यादगार था। वह बहुत विनम्र और आसान व्यक्ति है। वह मुझे कंफर्टेवल कराने की कोशिश कर रहे थे। तब से, मैं हर किसी के आसपास सहज महसूस कर रही हूं।

बहुत खुश हूं कि करीना मेरी बहू है: शर्मिला

76 साल की शर्मिला टैगोर अपनी बहू करीना कपूर खान को बहुत प्यार करती हैं। उन्हें करीना से बेहद लगाव है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने हालिया इंटरव्यू में दी है। जिसमें शर्मिला टैगोर का कहना है कि वो करीना कपूर खान को बहू के रूप में पाकर बेहद खुश हैं। इस इंटरव्यू में शर्मिला ने करीना की जमकर तारीफ की और उन्हें बेहद सौम्य और धैर्यवान बताया है। करीना कपूर खान इस वक्त सैफ अली खान और अपने दोनों बेटों तैमूर और जहांगीर के साथ मालदीव में हैं। उन्हें साल 2020 में आखिरी बार अंग्रेजी मीडियम फिल्म में देखा गया था। इस फिल्म में उनके को-स्टार दिवंगत इरफान खान थे। करीना कपूर की आगामी फिल्म लाल सिंह चड्ढा है। यह फिल्म 1994 में रिलीज हुई फिल्म फॉरेस्ट गम्प का रिमेक है। करीना और सैफ के दूसरे बेटे जहांगीर का नाम पब्लिक होने के बाद ट्रोलर्स ने उन्हें जमकर ट्रोल किया था। हालांकि, इसके बाद भी करीना कपूर खान का कहना था कि जीवन में हमेशा सकारात्मक रहना चाहिए। शर्मिला टैगोर का कहना है कि करीना को बहू बनाकर वो खुश हैं। उनकी और करीना के बीच की बॉन्डिंग बेहद खास है। करीना और अपने रिश्ते के बारे में बातचीत करते हुए शर्मिला टैगोर ने कहा कि उन्हें करीना कपूर खान से बेहद लगाव है। शर्मिला ने कहा, करीना बहुत शांत हैं और उनमें बहुत ठहराव है। शर्मिला टैगोर ने कहा, मुझे करीना बहुत पसंद है। उनमें बेहद धैर्य है। उनकी मौजूदगी मुझे सुकून देती है। वो कभी भी अपनी तुलना किसी से नहीं करती हैं। खुद ही अपना काम करती हैं। मैं बहुत खुश हूं कि वो मेरी बहू हैं।

टाइगर 3 में सलमान से नहीं भिड़ेंगे इमरान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की अपकमिंग फिल्म टाइगर 3 बीते काफी समय से चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म में सलमान के साथ कैटरीना कैफ नजर आने वाली हैं। वहीं बीते कई दिनों से खबर आ रही थी इस फिल्म में इमरान हाशमी विलेन के किरदार में नजर आएंगे। बताया जा रहा था कि फिल्म में इमरान हाशमी एक पाकिस्तानी आईएसआई जासूस की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म के लिए इमरान हाशमी ने जबरदस्त बॉडी भी बनाई है। हालांकि, इमरान के टाइगर 3 में होने का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था। लेकिन अब जो खबर सामने आई है उससे फैंस निराश हो सकते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान इमरान हाशमी ने खुलासा किया की वह न तो टाइगर 3 का हिस्सा हैं और न ही उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग की है। इमरान हाशमी ने कहा, मैंने कभी आगे आकर नहीं कहा है कि मैं टाइगर 3 कर रहा हूं। मैं हर किसी को यह कह रहा हूं कि मैं फिल्म का हिस्सा नहीं हूं। मुझे नहीं पता है कि लोग क्यों अपने आप अंदाजा लगा रहे हैं कि मैं टाइगर 3 में हूं। अगर मैं फिल्म करता हूं तो लोग मुझे प्यार करेंगे क्योंकि मैं अच्छा एक्टर हूं। जब इमरान हाशमी से पूछा गया कि क्या वो सच में टाइगर 3 नहीं कर रहे हैं तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं मालूम है कि मैं इसका हिस्सा हूं या नहीं? मैं मीडिया से ही ऐसी खबरें सुन रहा हूं। आप लोग जब टाइगर से मिलें तो उनसे पूछें कि मैं उनकी फिल्म में हूं या नहीं। बता दे कि टाइगर 3 की शूटिंग के लिए सलमान खान और कैटरीना कैफ रूस रवाना हो चुके हैं। कैटरीना और सलमान रूस के बाद अलग-अलग देशों में टाइगर 3 की शूटिंग करेंगे। खबरों के अनुसार अगले 45 दिनों तक 5 यूरोपियन देशों में टाइगर 3 की शूटिंग होगी।

मां बनीं नुसरत जहां बेटे को दिया जन्म

टीएमसी सासंद और एक्ट्रेस नुसरत जहां अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। बीते दिनों नुसरत ने बिजनेसमैन निखिल जैन संग अपनी शादी को अमान्य करार दिया था। जिस पर जमकर बवाल मचा था। इस विवाद के बीच नुसरत ने अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। वहीं अब नुसरत जहां मां बन गई हैं। एक्ट्रेस ने कोलकत्ता के एक अस्पताल में बेटे को जन्म दिया है। इस खबर के सामने आने के बाद फैंस उन्हें जमकर बधाई दे रहे हैं। नुसरत जहां को 25 अगस्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। खबरों के अनुसार यश दासगुप्ता एक्ट्रेस को अस्पताल लेकर पहुंचे थे। डिलीवरी से पहले नुसरत ने अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए खुद के लिए सकारात्मकता की बात की थी। बता दें कि नुसरत जहां ने जून 2019 में निखिल जैन से तुर्की में शादी की थी। लेकिन बाद में दोनों के रिश्ते में दरार आ गई। नुसरत ने निखिल संग अपनी शादी को अमान्य करार दिया था। वहीं नुसरत की प्रेग्नेंसी पर निखिल जैन ने कहा था कि ये बच्चा उनका नहीं है। इसी बीच नुसरत के बीजेपी लीडर यश दासगुप्ता के नजदीक आने की खबरें थीं। नुसरत जहां को यश दासगुप्ता के साथ कई बार स्पॉट किया गया। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते को कभी कंफर्म नहीं किया।

श्वेता के मूनलाइट अवतार ने मचाया तहलका

ऐक्ट्रेस श्वेता तिवारी की लेटेस्ट तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। बेटी पलक तिवारी से लेकर सेलेब्स तक श्वेता के इस लुक पर फिदा हो गए हैं। श्वेता तिवारी ने जब से वेट लूज किया है, तब से वह चर्चा बटोर रही हैं। वह अपने ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। सिलेब्रिटीज से लेकर फैन्स तक उनके मेकओवर की तारीफ करते नहीं थकते हैं। इसी बीच श्वेता तिवारी ने एक और फोटोशूट करवाया है, जिसमें उनका अल्ट्रा ग्लैम लुक सबको चौंका रहा है। अकाउंट पर हाल ही करवाए फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं और कैप्शन में लिखा है, मूनलाइट। इन तस्वीरों को अब तक 2 लाख से भी ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। मॉम श्वेता तिवारी के इस हॉट और सेक्सी अवतार को देख पलक तिवारी भी खुद को रोक नहीं पाई और उन्होंने तस्वीरों पर कॉमेंट किया. इससे पहले भी श्वेता तिवारी ने एक और फोटोशूट करवाया था, जिसमें वह रेड कलर की ड्रेस पहने नजर आई।

हमारे लिए कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता-लकी अली

यह कहना गलत नहीं होगा कि लकी अली एक ऐसा नाम है जिसे आज के समय में हर कोई जानता है। उनकी 1990 की हिट जैसे ओ सनम या तेरी यादें आती कई लोगों के बीच अभी भी ताजा हैं। पॉप-गायक को यह एक आशीर्वाद लगता है कि इतने सालों के बाद भी लोग उनसे जुड़ते हैं लेकिन जैसा कि वे कहते हैं कि कलाकारों के लिए कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता है। लकी ने बातचीत करते हुए कहते हैं कि उनके गाने अभी भी उतनी ही ताजा है, जितनी पहली बार रिलीज पर थे और जो अभी भी सभी आयु वर्ग के श्रोताओं के साथ तालमेल बिठा रहे है। उन्होंने कहा, यह एक आशीर्वाद है। मैं सर्वशक्तिमान का आभारी हूं कि हमारे लिए आम तौर पर कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता है। लेकिन जब आप खुद को व्यक्त करने में सक्षम होते हैं और समझ सकते हैं कि आप प्रासंगिक हैं, तो आपको बहुत प्यार मिलता है। लेकिन एक समय बाद सबका अंत हो जाता है। उन्होंने कहा कि नहीं, मुझे याद है एक बार जब मुझे पहली बार अपने काम के लिए पहचान मिली तो यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से नया था। मैंने इसे अपने परिवार में देखा था। मेरे परिवार के बहुत से सदस्यों ने अपने क्षेत्र में सफलता पाई है और एक चीज जो मैंने सीखी है उनमें से यह था कि उन्होंने एक साथ काम किया। उन्होंने आगे कहा कि यह कभी भी खुद के बारे में नहीं था। यह हमारे बारे में था। यह कभी मेरे बारे में नहीं था, और मुझे लगा कि एक दिन अगर मैंने अपना सफलता को नहीं समझा तो इसका अंत हो जाएगा। मैंने अपने करियर की शुरूआत में ही सही स्वीकार कर लिया था कि अगर मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं होगा तो मैं इसे नहीं कहूंगा। कई बार मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं होता है इसलिए मैं बीच में गैप ले लेता हूं।

मैंने अर्जुन रेड्डी में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है : शालिनी पांडे

शालिनी पांडे रणवीर सिंह के साथ जयेशभाई जोरदार से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अर्जुन रेड्डी ने उन्हें दक्षिण में रातों रात स्टार बना दिया था। आज अर्जुन रेड्डी के 4 साल पूरे हो गए है, और इस मौके पर शालिनी ने फिल्म की सफलता का श्रेय उनके निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा को दिया है। शालिनी ने कहा कि मैंने अर्जुन रेड्डी में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। इसने मुझे एक कलाकार के रूप में सबकुछ दिया है। जिस पर मुझे बहुत गर्व है, और मुझे खुशी है कि दर्शकों ने मेरी कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि मैं अपने निर्देशक संदीप वांगा रेड्डी को एक एक्टर के रूप में मुझ पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद देती हूं। मैं भाग्यशाली हूं कि मैं एक अद्वितीय प्रेम कहानी बनाने के उनके दृष्टिकोण का हिस्सा थी जिसने पूरे भारत में फिल्म प्रेमियों के दिलों और दिमागों में अपनी जगह बना ली है। अभिनेत्री ने कहा कि अर्जुन रेड्डी की सफलता ने एक बहुमुखी कलाकार के रूप में पहचाने बनाने के उनके जुनून को हवा दी। शालिनी ने अपनी आने वाली फिल्म को लेकर कहा कि जयेशभाई जोरदार काफी मजेदार होने वाली है। दुर्भाग्य से, मैं अभी अपनी भूमिका के बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकती, इसलिए आपको इंतजार करना होगा और फिल्म देखनी होगी।

मनोज बाजपेयी ने केआरके के खिलाफ दर्ज कराई मानहानि की शिकायत

खुद को फिल्म क्रिटिक बताने वाले कमाल राशिद खान यानि केआरके अक्सर बॉलीवुड सेलेब्स से पंगा लेते नजर आते रहते हैं। इस वजह से वह कई बार मुसिबत में भी फंस जाते हैं। बीते दिनों सलमान खान ने केआरके के खिलाफ उनकी छवि धुमिल करने का आरोप लगाते हुए मानहानि का केस दर्ज करवाया था। वहीं अब बॉलीवुड एक्टर मनोज बाजपेयी ने केआरके के लिए इंदौर की जिला अदालत में मानहानि का केस दर्ज करवाया है। इस बात की जानकारी मनोज बाजपेयी के वकील परेश एस जोशी ने दी है। खबरों के अनुसार केआरके ने कथित तौर पर मनोज बाजपेयी के खिलाफ अपमानजनक ट्वीट किया था। वकील परेश एस जोशी मे कहा कि एक्टर की तरफ से कोर्ट के एक प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने कमाल आर खान के द्वारा पेश किए गए एक आपत्तिजनक ट्वीट को लेकर शिकायत पेश की गई। इस शिकायत में केआरके के खिलाफ धारा 500 के तहत मानहानि का आपराधिक मामला दर्ज किए जाने की गुहार लगाई गई है। जोशी के मुताबिक मनोज बाजपेयी इस शिकायत के सिलसिले में इंदौर की अदालत के सामने मंगलवार को उपस्थित हुए। उन्होने केआरके के खिलाफ अपना बयान दर्ज कराया। इस मामले की अगली सुनवाई अब 4 सितंबर को होगी। फिलहाल इस मामले पर केआरके की तरफ से प्रतिक्रिया नहीं आई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पाकिस्तान में बारूदी सुरंग की चपेट में आने से में तीन सुरक्षा कर्मियों की मौत

कराची। 26 अगस्त पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक बारूदी सुरंग की चपेट में आने से कम से तीन सुरक्षा कर्मियों की मौत हो गई और इतने ही लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि हमला जियारत जिले के मांगी डेम इलाके में हुआ। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता लियाकत शाहवाणी ने बताया कि जिले के मांगी डेम इलाके में सुरक्षा कर्मी जिस वाहन से गश्त कर रहे थे, उसके बारूदी सुरंग के ऊपर से गुजर जाने से एक भीषण विस्फोट हुआ। हादसे में तीन कर्मियों की मौत हो गई और इतने ही कर्मी घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों का क्वेटा के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। मीडिया की कुछ खबरों के अनुसार, मांगी डेम में काम करने वाले चार मजदूरों का हथियारों से लैस कुछ अज्ञात लोगों ने अपहरण कर लिया था, जिन्हें छुड़वाने के लिए सुरक्षा कर्मियों को भेजा गया था, लेकिन रास्ते में ही उनका वाहन बारूदी सुरंग की चपेट में आ गया।

मलेशिया के नए प्रधानमंत्री ने किया मंत्रिमंडल का खाका पेश किया

कुआलालंपुर। मलेशिया के नए प्रधान मंत्री इस्माइल साबरी याकूब ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल का खाका पेश किया, जिसमें उनके पूर्ववर्ती के समान एक लाइन-अप है, जिसमें किसी उप प्रधान मंत्री का नाम नहीं है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक टेलीविजन भाषण में, इस्माइल साबरी ने कहा कि मंत्रियों को थोड़े समय में खुद को साबित करना होगा क्योंकि देश अभी भी कोविड -19 महामारी और इसके आर्थिक नतीजों से जूझ रहा है। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि यह कैबिनेट उच्च प्रदर्शन वाली कार्य संस्कृति पर ध्यान केंद्रित करे। इसलिए, प्रत्येक मंत्रालय को अपनी अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं का मसौदा तैयार कर निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने कहा, इसलिए, सभी मंत्रालय को पहले 100 दिनों के भीतर अपना प्रारंभिक प्रदर्शन साबित करना होगा। नामित लोगों में से कई ने पहले पूर्व प्रधानमंत्री मुहीद्दीन यासीन के अधीन काम किया था, जिन्होंने अपने कई राजनीतिक सहयोगियों द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद 16 अगस्त को इस्तीफा दे दिया था।

जापान कोविड वैक्स, दवाओं के लिए आरक्षित निधि का उपयोग करेगा

टोक्यो। जापानी कैबिनेट ने शुक्रवार को रिजर्व फंड के 1.4 ट्रिलियन येन (13 अरब डॉलर) का इस्तेमाल करने का फैसला किया, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से अतिरिक्त कोविड-19 टीके खरीदने और दवाएं हासिल करने के लिए किया जाएगा। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने अधिक खुराक की खरीद और इसके टीकाकरण रोलआउट को बढ़ावा देने के लिए कुल राशि का लगभग 841.5 बिलियन येन आवंटित किया है, क्योंकि देश अत्यधिक संक्रामक डेल्टा वेरिएंट द्वारा संचालित कोविड -19 संक्रमणों में हालिया वृद्धि को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है। वित्त मंत्री तारो असो ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एंटीबॉडी कॉकटेल उपचार के लिए लगभग 235.2 बिलियन येन निर्धारित किए गए थे। विदेशी क्लिनिकल परीक्षणों के अनुसार, उपचार से रोगियों के लिए अस्पताल में भर्ती होने या मृत्यु का जोखिम कम हो जाता है। प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा ने दो दिन पहले एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि तत्काल कार्यों के जवाब में, सरकार एंटी-कोविड उपायों के लिए आरक्षित धन का उपयोग करेगी जैसे एंटीबॉडी कॉकटेल उपचार के लिए पर्याप्त टीके और दवाएं हासिल करना हैं। सुगा ने कहा कि जापान अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में टीकाकरण की प्रगति में अपेक्षाकृत धीमी है। देश का लक्ष्य देश में उन सभी योग्य लोगों को टीका लगाना है जो अक्टूबर और नवंबर के बीच कभी भी खुराक प्राप्त करना चाहते हैं।

न्यूजीलैंड के आधे से अधिक व्यवसाय को चाहिए सरकारी मदद

वैलिंगटन। शुक्रवार को जारी एक नए सर्वेक्षण से पता चला है कि न्यूजीलैंड के आधे से अधिक व्यवसाय राष्ट्रव्यापी स्तर के चार कोविड -19 लॉकडाउन के कारण सरकारी समर्थन की मांग करेंगे, जिसमें एक और वैक्सीन रैंप की मांग शामिल होगी। समाचार एजेंसीकी रिपोर्ट के अनुसार, ऑकलैंड समुदाय में डेल्टा वेरिएंट के पहले मामले की पहचान होने के बाद 17 अगस्त को लॉकडाउन लगाया गया था। अलर्ट लेवल 4 लॉकडाउन के तहत, सुपरमार्केट, फार्मेसियों और सर्विस स्टेशनों जैसे आवश्यक लोगों को छोड़कर, उच्चतम सेटिंग, व्यवसाय और स्कूल बंद हैं।

अफगानिस्तान के हालात बेहद खराब: आईसीआरसी अधिकारी

काबुल। अफगानिस्तान में स्थिति संकट में संकट की तरह है और यह आवश्यक होगा कि मानवीय निकाय और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय मौजूदा संकट पर अपनी आंखें बंद न करें। इंटरनेशनल कमेटी ऑफ द रेड क्रास के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आईसीआरसी के प्रवक्ता फ्लोरियन सेरिक्स ने गुरुवार को समाचार एजेंसी को बताया कि कई अफगान लोगों की स्थिति पहले भी दुखद थी, और अब भी है। उन्होंने कहा, सौभाग्य से काबुल में कोई लड़ाई नहीं हुई, लेकिन अन्य क्षेत्रों में, दूसरे शहरों में लड़ाई हुई, और जब हम पूरे देश में काम करते हैं तो हम झगड़े के मुद्दों से बहुत चिंतित होते हैं। अधिकारी ने कहा, यह एक बहुत ही चिंताजनक क्षण है। हमने अपने अस्पतालों में घायल लोगों का एक प्रवाह देखा। हमने नष्ट बुनियादी ढांचे को देखा। लोगों ने अपने घर और संपत्ति खो दी है। सेरिक्स ने सिन्हुआ को बताया कि अब तक, आईसीआरसी को तालिबान बलों से स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर गारंटी मिली है कि वे अफगान आबादी की मदद करने के उद्देश्य से काम करना जारी रख सकते हैं। हमारे कई वर्षों से तालिबान के साथ संबंध हैं। हम उन जगहों पर काम करते हैं जो बहुत लंबे समय से तालिबान द्वारा नियंत्रित हैं। अधिकारी ने कहा कि वे उन अस्पतालों के लिए चिकित्सा उपकरण प्राप्त करना जारी रख रहे हैं जिनके साथ वे काम करते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस समय देश में 46 चिकित्सा केंद्रों और आईसीआरसी द्वारा प्रबंधित दो अस्पतालों के लिए पर्याप्त चिकित्सा स्टॉक और उपकरण हैं, ताकि वे जमीन पर तत्काल मानवीय जरूरतों को पूरा कर सकें।

अफगानिस्तान: घातक बम विस्फोटों के बाद काबुल में निकासी उड़ानें फिर से शुरू

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद देश से भाग रहे हजारों हताश लोगों को निशाना बनाकर किए गए दो आत्मघाती बम धमाकों के एक दिन बाद राजधानी काबुल से निकासी उड़ानें शुक्रवार को फिर से शुरू हो गईं। अमेरिका का कहना है कि देश के सबसे लंबे युद्ध को समाप्त करने के लिए विदेशी सैनिकों की वापसी की मंगलवार की समय सीमा से पहले और हमले की आशंका है। काबुल के निवासियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह से कई विमान उड़ान भर चुके हैं जबकि स्थानीय 'तोलो टीवी' के संवाददाता द्वारा साझा किए गए फुटेज में हवाई अड्डे के बाहर पहले जितनी ही भीड़ दिखी। अफगान और अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अगस्त 2011 के बाद से अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना के लिए सबसे घातक दिन में, काबुल के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास बृहस्पतिवार के बम धमाकों में कम से कम 60 अफगान और 13 अमेरिकी सैनिक मारे गए। एक भावुक भाषण में, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्लामिक स्टेट समूह के अफगानिस्तान में संबद्ध संगठन को दोषी ठहराया, जो तालिबान की तुलना में कहीं अधिक कट्टरपंथी है। बाइडन ने कहा, ÷हम अमेरिकियों को सुरक्षित निकालेंगे, हम अपने अफगान सहयोगियों को बाहर निकालेंगे और हमारा अभियान जारी रहेगा।÷ लेकिन मंगलवार की समय-सीमा बढ़ाने के अत्यधिक दबाव के बावजूद उन्होंने अपनी योजना पर कायम रहने के पीछे आतंकवादी हमलों को कारण बताया। अमेरिकी आक्रमण में बेदखल होने के दो दशक बाद अफगानिस्तान को फिर से नियंत्रण में लेने वाले तालिबान ने समय सीमा कायम रखने पर जोर दिया। फरवरी 2020 में ट्रंप प्रशासन ने तालिबान के साथ एक समझौता किया जिसमें मई तक सभी अमेरिकी सैनिकों और संविदाकारों को हटाने के बदले में अमेरिकियों पर हमलों को रोकने के लिए कहा गया था। बाइडन ने अप्रैल में घोषणा की कि वह उन्हें सितंबर तक हटा लेंगे। अमेरिका ने जहां बृहस्पतिवार को कहा कि काबुल से 1,00,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला है, वहीं 1,000 अमेरिकी और दसियों हज़ार से अधिक अफगान इतिहास के सबसे बड़े एयरलिफ्ट में से एक में खुद को बाहर निकाले जाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। निकासी अभियान की निगरानी कर रही अमेरिकी केंद्रीय कमान के प्रमुख जनरल फ्रैंक मैकेन्जी ने बृहस्पतिवार को कहा था कि करीब 5,000 लोग हवाई अड्डे पर विमानों का इंतजार कर रहे हैं।

इजरायल और अमेरिका की होगी आमने-सामने बैठक, ईरान के साथ परमाणु समझौते को लेकर होगी चर्चा

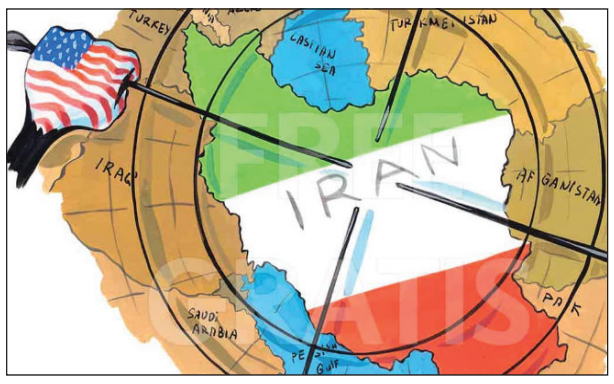

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और इजराइल के प्रधानमंत्री नेफ्टाली बेनेट बृहस्पतिवार को आमने-सामने बैठक की लिए तैयार हैं। बताया जा रहा है कि इस दौरान बेनेट बाइडन पर ईरान के साथ परमाणु समझौते पर आगे नहीं बढ़ने का दबाव डालेंगे। बेनेट ने वाशिंगटन पहुंचने से पहले स्पष्ट कर दिया था कि उनकी शीर्ष प्राथमिकता इस मामले पर बाइडन पर दबाव बनाने की है। उन्होंने कहा कि ईरान पहले ही यूरेनियम संवर्धन काफी बढ़ा चुका है और प्रतिबंधों में ढील ईरान को क्षेत्र में इजराइल के दुश्मनों का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त संसाधन प्रदान करेगी। इजराइल के प्रधानमंत्री ने बुधवार को अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से अलग-अलग मुलाकात कर ईरान तथा अन्य मुद्दों पर बात की। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली अमेरिकी यात्रा है।

अफगानिस्तान से अमेरिका के हटने के कारण हालात नियंत्रण में नहीं : मैक्रों

डबलिन (एजेंसी)।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि अमेरिका के अफगानिस्तान से हटने की समयसीमा 31 अगस्त से आगे नहीं बढ़ाने के फैसले ने हम सभी को ऐसी स्थिति में डाल दिया है, जो अब नियंत्रण में नहीं है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मैक्रों ने गुरुवार को आयरलैंड के प्रधान मंत्री माइकल मार्टिन के साथ डबलिन की एक दिवसीय कार्य यात्रा के दौरान एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका और उसके सहयोगियों ने वाशिंगटन के फैसले के बाद अपनी नैतिक जिम्मेदारी को धोखा दिया है, मैक्रोन ने कहा कि वह विश्वासघात शब्द का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका के फैसले के कारण अन्य देशों के लिए निकासी जारी रखना सुरक्षित नहीं है। मैक्रों ने कहा कि हम अधिकतम ऑपरेशन करने के लिए आखिरी मिनट तक कड़ी मेहनत और अच्छी तरह से काम करना चाहते हैं और अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहते हैं। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस ने अब तक 2,600 लोगों को निकालने में मदद की है, जिनमें करीब 2,000 अफगान नागरिक भी शामिल हैं और लोगों को निकालने का काम अभी भी जारी है। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं गारंटी नहीं दे सकता कि हम सफल होंगे क्योंकि सुरक्षा स्थिति नियंत्रण में नहीं है। मैक्रों गुरुवार सुबह डबलिन पहुंचे थे। सरकारी भवनों में मार्टिन के साथ बैठक से पहले आयरिश राष्ट्रपति माइकल हिगिंस ने उनका स्वागत किया, जिसके दौरान दोनों पक्षों ने अफगानिस्तान के मुद्दे के अलावा आम चिंता के मुद्दों पर चर्चा की।

इटली के वैज्ञानिकों ने कहा- 2080 तक कोरोना से भी बड़ी महामारी आएगी

इटली के पडुआ विश्वविद्याल के विशेषज्ञों की एक टीम ने एक स्टडी की है, जिसमें कहा है कि साठ साल बाद यानी 2080 में दुनिया भर में कोरोना से भी गंभीर महामारी फैलेगी। विष्य की जोखिम को लेकर पिछले 400 वर्षों में दुनिया भर के बीमारियों के प्रसार का अध्ययन किया गया। महामारियों के आने वाले समय में बढ़ने की संभावना है, कोरोना जैसी महामारियों के प्रति वर्ष दो प्रतिशत तक फैलने की उम्मीद है। शोध कर्ताओं ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, खाद्य प्रणालियों में बदलाव, पर्यावरण में बदलाव और मनुष्य और जानवरों में लगातार संपर्क के कारण बड़ी बीमारियों की संभावना बढ़ रही है। शोध के नतीजे प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल अकेडमी ऑफ द साइंसेज जर्नल में प्रकाशित हुआ। उनके शोध में चार शदियों में प्लेग, चेचक, हैजा, टायफाइड और कई नए वायरस शामिल थे। शोध में पाया गया कि महामारी में परिवर्तन आया है और प्रकोपों का पैटर्न भी बदला है। महामारी दुर्लभ नहीं है और इससे बचाव के लिए इसके रोकथाम को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए भारत और पाकिस्तान को एक साथ बैठना चाहिए: तालिबान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कश्मीर पर अपनी पहली टिप्पणी में तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा है कि पाकिस्तान और भारत को अपने सभी लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए एक साथ बैठना चाहिए, क्योंकि दोनों पड़ोसी हैं और उनके हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। मुजाहिद ने यह टिप्पणी पाकिस्तानी टीवी चैनल एआरवाई न्यूज के साथ एक व्यापक साक्षात्कार के दौरान की। एआरवाई न्यूज के अनुसार, जम्मू एवं कश्मीर के मुद्दे पर, मुजाहिद ने कहा कि नई दिल्ली को विवादित क्षेत्र के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखने की जरूरत है। मुजाहिद ने देशों विशेषकर भारत के साथ संबंधों के बारे में कहा कि तालिबान भारत सहित सभी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहता है, जो इस क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा, हमारी इच्छा है कि भारत अपनी नीति अफगान लोगों के हितों के अनुरूप बनाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि तालिबान किसी अन्य देश के खिलाफ अफगान धरती का इस्तेमाल नहीं होने देगा। एआरवाई न्यूज ने बताया कि तालिबान के प्रवक्ता ने अपना विचार साझा करते हुए कहा कि पाकिस्तान और भारत को अपने सभी लंबित मुद्दों को हल करने के लिए एक साथ बैठना चाहिए, क्योंकि दोनों पड़ोसी हैं और उनके हित एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। मुजाहिद ने बुधवार को कहा कि समूह, जो अब अफगानिस्तान पर शासन कर रहा है, पाकिस्तान को अपना दूसरा घर मानता है और वह अफगानिस्तान की धरती पर ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं देगा, जो पाकिस्तान के हितों के खिलाफ हो।

मलेशिया के नये प्रधानमंत्री इस्माईल साबरी ने नहीं किया अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल

कुआलालंपुर। (एजेंसी)।

मलेशिया के नये प्रधानमंत्री इस्माईल साबरी याकूब ने शुक्रवार को सामने रखे अपने मंत्रिमंडल में कोई खास फेरबदल न करते हुए ज्यादातर पुराने चेहरों को ही दोबारा शामिल किया है लेकिन प्रतिबद्धता जताई कि उनकी सरकार ज्यादा खुली सरकार होगी जो बिगड़ती वैश्विक महामारी स्थिति को रोकने के लिए प्रयासरत है। कैबिनेट में शामिल ज्यादातर लोग वही हैं जो उनके पूर्ववर्ती मुहिइद्दीन यासीन के मंत्रिमंडल में भी थे। यासीन ने उनके गठबंधन में आंतरिक कलह की वजह से उनको बहुमत का समर्थन न मिलने के बाद 16 अगस्त को इस्तीफा दे दिया था। वह 18 माह से भी कम समय तक इस पद पर रहे।

इस्माईल ने किसी को उप्रधानमंत्री नहीं नामित किया लेकिन चार वरिष्ठ मंत्री पद रखे जो मुहिइद्दीन ने उनकी मलय बहुमत सरकार के धड़ों को खुश रखने के लिए सृजित किए थे। बैंकर जफरुल अब्दुल अजीज को शक्तिशाली वित्त मंत्रालय दिया गया है जबकि कुछ पूर्व मंत्रियों के मंत्रालयों में आपस में अदला-बदली की गई है। विपक्षी सांसदों ने नये मंत्रिमंडल पर तुरंत निराशा व्यक्त की, जिसके बार में उनका कहना है कि यह पूर्व की सरकार जैसा ही है, जो सात महीने की आपात स्थिति और जून से लॉकडाउन लगाए जाने के बावजूद महामारी पर अंकुश लगाने में विफल रही। मलेशिया में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के रिकॉर्ड 24,599 मामले दर्ज किए गए जिसके बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या 16.4 लाख हो गई। मौत के दैनिक मामले भी रिकॉर्ड 393 दर्ज किए गए जिसके बाद मृतक संख्या 15,211 हो गई। टीकाकरण तेजी से हो रहा है जहां आधे से ज्याद वयस्क आबादी का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है।

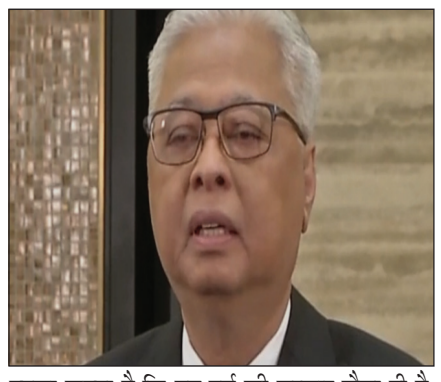

पाक आईएसआई का करीबी आतंकी खलील हक्कानी है काबुल का सुरक्षा प्रमुख

नई दिल्ली/वाशिंगटन (एजेंसी)।

काबुल में तालिबान के नए स्वघोषित सुरक्षा प्रमुख, हक्कानी नेटवर्क से जुड़े खलील हक्कानी को बनाया गया है, जिसका पाकिस्तान के आईएसआई से करीबी संबंध है, जिसे अमेरिकी सरकार ने 10 साल पहले आतंकवादी घोषित किया था और उसे पकड़ने के लिए जानकारी देने वाले को 50 लाख डॉलर के इनाम की घोषणा की गई थी। एनबीसी ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि 2011 में, तत्कालीन शीर्ष अमेरिकी सैन्य अधिकारी, एडमिरल माइक मुलेन ने कांग्रेस को बताया कि हक्कानी नेटवर्क पाकिस्तान की मुख्य खुफिया सर्विस आईएसआई की एक शाखा है। तालिबान को खुद अमेरिकी सरकार ने कभी भी आतंकवादी संगठन के रूप में नामित नहीं किया था, लेकिन हक्कानी नेटवर्क, जिसका अल कायदा और पाकिस्तानी खुफिया से घनिष्ठ संबंध है, उसको लंबे समय से आतंकी संगठन के तौर पर माना गया है। एनबीसी ने बताया कि हक्कानी नेटवर्क, जो अधिकारियों का कहना है कि एक संगठित आपराधिक परिवार की तरह काम करता है, को कई अमेरिकियों के अपहरण के लिए एक व्यापक अपहरण-फिरौती व्यवसाय के हिस्से के रूप में दोषी ठहराया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डौग लंदन ने कहा है कि खलील हक्कानी ने समूह के संचालन प्रमुख के रूप में काम किया है, जिन्होंने सेवानिवृत्त होने से पहले अफगानिस्तान में सीआईए आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया था। एनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, लंदन ने कहा कि 2018 में उस भूमिका में उसने अमेरिकी सेना और अफगान नागरिकों के खिलाफ आत्मघाती बम विस्फोटों को मंजूरी दी थी। एनबीसी ने कहा कि जब एजेंसी सोवियत आक्रमण के खिलाफ तालिबान के अग्रदूतों को हथियार दे रही थी और प्रशिक्षण दे रही थी, तब वह सीआईए का भागीदार भी था। उसे 2011 में अमेरिकी सरकार द्वारा एक आतंकवादी नामित किया गया था। विदेश विभाग ने खलील हक्कानी के बारे में यह भी कहा है कि उसने अल कायदा की ओर से भी काम किया है और वह अल कायदा के आतंकवादी अभियानों से जुड़ा रहा है। अपने सीआईए करियर के बारे में एक नई किताब, द रिक्रूटर के लेखक लंदन ने कहा, वह अल कायदा नेतृत्व का वरिष्ठ दूत और पाकिस्तानी खुफिया विभाग का वरिष्ठ अधिकारी रहा है। वह हक्कानी नेटवर्क के लिए दिन-प्रतिदिन के बहुत सारे निर्णय लेता है। लंदन ने कहा कि खलील हक्कानी सीआईए का भागीदार रहा है, जब एजेंसी 1980 के दशक में सोवियत सैनिकों से लड़ने के लिए अफगान विद्रोहियों को हथियार मुहैया करा रही थी। वह सिराजुद्दीन हक्कानी का चाचा है, जो एक वांछित आतंकवादी भी है, जिस पर 50 लाख डॉलर का इनाम है।

इस्लामिक स्टेटस से जुड़ा आईएसकेपी आतंकी समूह ने काबुल हमले की जिम्मेदारी ली

दुबई। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में इस्लामक स्टेट से संबद्ध 'इस्लामिक स्टेट-खुरासान प्रांत' (आईएसकेपी) ने काबुल हवाईअड्डे के बाहर हुए हमलों की जिम्मेदारी ली है। अफगान और अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, काबुल हवाईअड्डे के पास दो आत्मघाती हमलावरों और बंदूकधारियों ने अफगानों की भीड़ पर किए गए हमले में कम से कम 72 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य के घायल होने की खबर है।

मृतकों में 12 अमेरिकी सैनिक और अफगानिस्तान के 60 लोग शामिल हैं। आईएस से संबद्ध आईएसकेपीनेहमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उसने अमेरिकी सैनिकों और उसके अफगान सहयोगियों को निशाना बनाया। बयान के साथ एक तस्वीर भी साझा की गई। आतंकवादी संगठन ने कहा कि यह वही हमलावर है, जिसने हमले को अंजाम दिया। तस्वीर में कथित हमलावर को काले आईएस झंडे के सामने विस्फोटक बेल्ट के साथ खड़ा देखा जा सकता है, जिसके चेहरे पर एक काला कपड़ा बंधा है और केवल उसकी आंखें दिख रही हैं। बयान में दूसरे आत्मघाती हमलावर या बंदूकधारियों का कोई जिक्र नहीं था। दावे को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया जा सका है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बांग्लादेश के विमान चालक को आया हार्ट अटैक, नागपुर में कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

नागपुर। बिमान बांग्लादेश के मस्कट से ढाका जा रहे एक विमान के चालक को शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद आपात स्थिति में विमान नागपुर में उतारना पड़ा। हवाईअड्डे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस बोइंग विमान में 126 यात्री सवार थे। विमान को पूर्वाह्न 11 बजकर 40 मिनट पर आपात स्थिति में उतारा गया और विमान चालक को एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि जब विमान को आपात स्थिति में उतारने के लिए कोलकाता एटीसी से संपर्क किया गया, उस समय वह रायपुर के पास था, जिसके बाद उसे निकटतम नागपुर हवाईअड्डे पर उतरने की सलाह दी गई। बिमान बांग्लादेश ने हाल में भारत के लिए उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू किया है। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण दोनों देशों के बीच हवाई यात्रा सेवा निलंबित थी।

मेरठ में पांच युवकों ने किया छात्रा से बलात्कार, बाद में घटना का वीडियो किया अपलोड

मेरठ। उत्तर प्रदेश में मेरठ जिले के मवाना थाना क्षेत्र में पांच युवकों ने एक छात्रा के साथ कथित रूप से अप्राकृतिक यौन संपर्क बनाने के बाद उसका बलात्कार करने की कोशिश की और बाद में इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी उदय प्रताप सिंह ने पीड़िता के पिता की तहरीर के आधार पर शुक्रवार को बताया कि थाना मवाना क्षेत्र निवासी 18 वर्षीय छात्रा पंकज नाम के आरोपी से पहले से परिचित है। सिंह ने पीड़िता के पिता की तहरीर के आधार पर बताया कि छात्रा घटना के दिन यानी 18 अगस्त को पंकज से मिलने खेत गई थी तथा दो-चार और युवक वहां आ गये, जिसके बाद उन्होंने छात्रा के साथ अप्राकृतिक यौन संपर्क बनाने के साथ ही उससे बलात्कार की कोशिश की। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने इस घटना का वीडियो भी बना लिया और पीड़िता को धमकी थी कि यदि उसने इस बारे में किसी को जानकारी दी, तो वे उसके पिता को गोली मार देंगे। उन्होंने बताया कि पीड़िता ने अपने पिता की जान को खतरा होने के कारण यह बात किसी को नहीं बताई, लेकिन पिछले दिनों आरोपियों ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया, जिसके बाद छात्रा के परिजन को घटना की जानकारी हुई। सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर पंकज और चार-पांच अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

एनएसजी के कमांडो की हुई मॉक ड्रिल, आंतकी हमले से बचने जतु चलाया एंटी टेरेसिस्ट ऑपेरशन

भोपाल। राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल और भारत भवन में एनएसजी के कमांडोज ने मॉक ड्रिल की है। इसमें आतंकी हमले से निपटने के लिए एनएसजी कमांडोज ने एंटी टेरेरिस्ट ऑपरेशन भी चलाया। एनएसजी के कमांडोज की टीम कोलकाता, मुंबई और दिल्ली से आई थी। आपको बता दें कि इस मॉक ड्रील के लिए पहले एक घटना स्थल तैयार किया गया। इसके बाद कुछ आतंकी भारत भवन में घुसे और लोगों को बंधक बनाया गया। इसकी जानकारी पुलिस को मिली और एटीएस और फिर एनएसजी कमांडोज की एंट्री हुई। एनएसजी के कमांडो ने बहादुरी से आतंकियों का सामना किया। फिर आतंकियों को खत्म करके भारत में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान एनएसजी? के अफसर, प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, एमपी पुलिस के अधिकारी और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इसके साथ ही पूरी सुरक्षा के साथ इस ड्रिल को संपन्न किया गया।

उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट, देहरादून-ऋषिकेश के बीच का पुल टूटा, कई गाड़ियां बहीं

नई दिल्ली। उत्तराखंड में लगातार बारिश की आशंका बनी हुई है। बारिश के मद्देनजर देहरादून और उसके आसपास के इलाकों में तबाही के मंजर भी सामने आ रहे हैं। इन सबके बीच भारी बारिश के कारण रानीपोखरी के पास से देहरादून-ऋषिकेश पुल टूट गया है। पुल के टूट जाने के कारण कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इतना ही नहीं, राज्य में भारी बारिश की वजह से मालदेवता-सहस्त्रधारा लिंक रोड कई मीटर तक पानी में समा गया है। पुल के टूट जाने के बाद राहत और बचाव कार्य शुरू हो गया है। हालांकि भारी बारिश की चेतावनी अब भी है। मौसम विभाग की ओर से राज्य में अलर्ट जारी किया गया है। नैनीताल, चंपावत, उधम सिंह नगर, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में लगातार बारिश हो रही है।

पैसे लेकर टिकट नहीं देती बसपा, पहले अपना घर ठीक करे कांग्रेस: मायावती

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा सुप्रीमो मायावती ने आज कांग्रेस की बुकलेट पर पलटवार किया है। मायावती ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पहले अपना घर ठीक करें। बसपा को बदनाम करने की कोशिश ना करें। बसपा पैसे लेकर टिकट नहीं देती है। कांग्रेस को अपना घर देखना चाहिए। मायावती ने कहा कि देश में बीएसपी अकेली ऐसी पार्टी है जो कांग्रेस और अन्य पार्टियों की तरह अपने संगठन को चलाने और चुनाव लड़ने के लिए भी बड़े-बड़े पूंजीपतियों और धन्नासेठों से आर्थिक मदद नहीं लेती है, न ही इसके एवज में उन्हें राज्यसभा आदि में भेजती है। कांग्रेस दिहाड़ी मजदूरों को अपनी राजनीतिक रैलियों में लाने के लिए भुगतान करती है, जो देश में कांग्रेस के मतदाता आधार की स्थिति को दर्शाता है। उन्हें यूपी जैसे राज्यों में चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार भी नहीं मिल रहे हैं, इसलिए वे लोगों को चुनाव लड़ने के लिए पैसे देते हैं।

भाजपा नेताओं ने कश्मीर पर टिप्पणी को लेकर सिद्धू के सलाहकार के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने शुक्रवार को पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के सलाहकार मलविंदर सिंह माली के खिलाफ कश्मीर पर भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

भाजपा नेताओं ने कश्मीर पर दिए गए माली के भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट के लिए राष्ट्रीय राजधानी में एक पुलिस शिकायत दर्ज करते हुए कहा है कि इस तरह के बयान से देश की संप्रभुता के लिए खतरा है। इससे पहले एक सोशल मीडिया पोस्ट में माली ने कहा था कि कश्मीर कश्मीरी लोगों का देश है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आर. पी. सिंह और पार्टी की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय सचिव तजिंदर पाल सिंह बग्गा द्वारा नई दिल्ली के राजिंदर नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक पुलिस शिकायत में कहा गया है कि कश्मीर पर माली की टिप्पणी से भारतीय गणतंत्र की संप्रभुता को दुर्भावनापूर्ण इरादों से खतरा है, जो समाज के वर्गों के बीच वैमनस्य, घृणा और हिंसा पैदा कर सकता है। शिकायत में कहा गया है, इस तरह की टिप्पणियों का भारत में कानून द्वारा स्थापित सरकार के प्रति घृणा या अवमानना और असंतोष फैलाने के अलावा कोई अन्य इरादा नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप किसी भी प्रकार का विद्रोह हो सकता है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने एक ऐसी भाषा का उपयोग किया है, जो अलगाववादी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देने में पूरी तरह सक्षम है और इससे न केवल राष्ट्र की संप्रभुता बल्कि क्षेत्रीय ताने-बाने और समाज के विभिन्न वर्गों के भीतर सद्भाव के लिए खतरा पैदा होता है। शिकायत में आगे कहा गया है, आरोपी द्वारा दिए गए बयान हमारे देश की राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक हैं। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और भारतीय संसद और अदालतों ने भी इसी सिद्धांत को बार-बार दोहराया है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि माली की टिप्पणी देश में व्याप्त सार्वजनिक शांति और सद्भाव को खतरे में डालती है। शिकायत में कहा गया है, आरोपी के दुर्भावनापूर्ण इरादे आम जनता के बीच नफरत, दुश्मनी, हिंसा को बढ़ावा देने और लोगों के एक वर्ग को राष्ट्र के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए उकसाने के उसके अंतिम उद्देश्य को इंगित करते हैं। शिकायत में दावा किया गया है कि माली द्वारा किया गया यह आपराधिक कृत्य पहले से ही हारे हुए पंजाब विधानसभा चुनावों में जमीन हासिल करने की कोशिश में एक छोटी राजनीतिक रणनीति के दिमाग की उपज है। शिकायत के अनुसार, कानून किसी भी व्यक्ति को किसी भी राजनीतिक लाभ के लिए क्षेत्रीय हिंसा, देशद्रोह को

बढ़ावा देने की रणनीति का उपयोग करने की अनुमति नहीं दे सकता है और इस तरह के कृत्यों को उचित ध्यान में रखा जाना चाहिए और इसके लिए देश के कानून के तहत सख्ती से दंडित किया जाना चाहिए। भाजपा नेताओं ने क्षेत्रीय आधार पर विभिन्न वर्गों के बीच देशद्रोह, संभावित हिंसा, दुश्मनी, घृणा या द्वेष पैदा करने या बढ़ावा देने वाले ऐसे बयान देने के लिए माली के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 154 के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का आग्रह किया है।

मथुरा में जन्माष्टमी की तैयारियां जोरों पर, कोविड-19 नियमों के पालन के बीच मनाए जाएंगे त्योहार

मथुरा।(एजेंसी)।

मथुरा में श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव इस वर्ष 29 से 31 अगस्त तक धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए जिले में इन दिनों हर घर, बाजार, मंदिर को भव्य तरीके से सजाया जा रहा है। पिछले साल कोरोना वायरस संक्रमण के चलते लॉकडाउन के बीच ही यह त्योहार मनाया गया था। इस बार भी कोविड-19 नियमों के पालन के बीच त्योहार मनाए जाएंगे। समूचे ब्रज क्षेत्र में कृष्ण जन्मोत्सव को धूम धाम से मनाने की तैयारियां चल रही हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर परिसर में सबसे ज्यादा श्रद्धालु आते हैं। नन्दगांव में नन्दीश्वर पहाड़ी पर स्थित नन्दबाबा मंदिर में भी श्रावण पूर्णिमा से ही श्रीकृष्ण जन्म की बधाइयों का दौर शुरू हो गया है। नन्दभवन के सेवायत ब्रजेंद्र शरण गोस्वामी ने बताया कि इस बार सभी जगह एक ही दिन कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 30 अगस्त को जन्माष्टमी और 31 अगस्त को नन्दोत्सव मनाया जाएगा। श्रीकृष्णोत्सव-2021 को भव्य और दिव्य बनाने के लिए प्रशासन और नगर निगम मिल-जुल कर तैयारियां कर रहे हैं। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में सैकड़ों लोक कलाकार भी भाग लेंगे। सुरक्षा के हिसाब से श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर सहित पूरे नगर को तीन जोन और 16 सेक्टर में बांटकर व्यापक व्यवस्था की गयी है। जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर ने बताया कि जन्मस्थान परिसर को 'रेड जोन' घोषित करते हुए उसे भी 'ए' और 'बी' जोन में विभाजित किया गया है। संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इसी प्रकार, वृन्दावन के ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में भी व्यवस्था बनाए रखने के लिए श्रद्धालुओं को एक तरफ से प्रवेश कराया जाएगा तो दूसरी ओर से निकास की व्यवस्था रहेगी।

राणे ने फिर से यात्रा शुरू की, गिरफ्तारी के लिए शिवसेना की खिंचाई की

रत्नागिरी (महाराष्ट्र) (एजेंसी)।

केंद्रीय एमएसएमई मंत्री नारायण राणे ने शुक्रवार को अपनी जन आशीर्वाद यात्रा फिर से शुरू कर दी है, जो उनकी गिरफ्तारी के बाद अचानक निलंबित कर दी गई थी। उन्हें मंगलवार को जमानत दे दी गई थी, जिसके बाद उन्होंने शिवसेना पर जोरदार हमला बोला।

गले की खराश के बावजूद आक्रामक रूप से भाजपा पर हमला करते हुए राणे ने कहा कि दिशा सालियान मामला अभी समाप्त नहीं हुआ है और आने वाले दिनों में सेना को एक्सपोज करने की धमकी दी। राणे ने स्पष्ट रूप से व्यथित स्वर में पूछा, उन्होंने इस तरह एक केंद्रीय मंत्री को गिरफ्तार करके क्या हासिल किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य में सुधार के बाद, वह फिर से शिवसेना पर वार करेंगे। राणे को केंद्रीय मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखने वाले शिवसेना लोकसभा समूह के नेता विनायक राउत ने पलटवार करते हुए कहा कि उनकी पार्टी भी राणे को उनके दूर के रिश्तेदार अंकुश की संदिग्ध मौत समेत विभिन्न मुद्दों पर राणे को बेनकाब करेगी। पार्टी के समाचार पत्रों, सामना और दोपहर का सामना ने गुरुवार को यह जानने की मांग की थी कि श्रीधर नाइक, रमेश गोविकर, सत्यविजय भूसे और अंकुश राणे (नारायण राणे के दूर के चचेरे भाई) जैसे लोगों के लापता होने के लिए कौन जिम्मेदार है।

मोदी सरकार ने अपने चन्द मित्रों को निजी फायदा देने के उद्देश्य से बहुमूल्य परिसम्पत्तियों को बेच दिया

धर्मशाला ।(एजेंसी)।

देश के 21 हवाई अड्डे,31 बंदरगाह परियोजनाएं,2700 किलोमीटर के हाईवे,400 रेलवे स्टेशन,150 ट्रेनें,5000 मेगावाट पनबिजली-सौर ऊर्जा एवम पवन ऊर्जा परियोजनाएं,43,200 किलोमीटर ट्रांसमीटर नेटवर्क मोदी सरकार ने बेच दिए हैं। राष्ट्रीय परिसम्पत्तियों की यह खुली लूट देश में भविष्य में 40 करोड़ लोगों को बेरोजगार कर देगी।

यह बात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता दीपक शर्मा ने आज कही। उन्होंने कहा कि देश में बड़े बड़े राष्ट्रीय उपक्रम इसी लिए स्थापित किए गए थे कि खुले बाजार में किसी का भी एकाधिकार खत्म हो सके।जनता की गाढ़ी कमाई से पिछले 70 वर्षों में राष्ट्रीयकरण के रूप में बड़ी बड़ी परिसम्पत्तियों की स्थापना हुई जिनमें करोड़ों लोगों को रोज़गार प्राप्त हुआ लेकिन मोदी सरकार ने अपने चन्द मित्रों को निजी फायदा देने के उद्देश्य से इन बहुमूल्य परिसम्पत्तियों को बेच दिया। यह राष्ट्रीय स्तर पर देश का बड़ा नुकसान है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि मोदी सरकार की इस मित्रीकरण की साजिश से आने वाले समय में 40 करोड़ लोगों के बेरोजगार होने का आंकलन सयुंक्त राष्ट्र संघ ने किया है। दीपक शर्मा ने कहा कि देश में किसी भी क्षेत्र में निजी कम्पनियों का एकाधिकार न बने इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए कांग्रेस ने इन राष्ट्रीय परिसम्पत्तियों का निर्माण किया था।यह परिसम्पत्तियां आज देश का गौरव हैं और आर्थिकी में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।दीपक शर्मा ने कहा कि रेलवे देश की गरीब जनता के लिए भाग्य रेखा के समान है,इसका निजीकरण करने से जहां करोड़ों लोग बेरोज़गार होंगे वहीं गरीब लोगों के लिए रेल सफर करना भी दूभर हो जाएगा।उन्होंने कहा कि जो सरकारी उपक्रम लाभ में चल रहे हैं उनका भी निजीकरण करके मात्र मोदी सरकार मित्रों को लाभ देने चाहती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि स्व.प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण करके साहूकारी प्रथा से निजात दिलाई थी लेकिन आज दो दर्जन के करीब बैंक भी मोदी सरकार के कार्यकाल में बंद हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए यह नीति घातक है।इससे भविष्य में न केवल आर्थिक संकट बढ़ेगा बल्कि बेरोजगारी की समस्या भी विकराल रूप में बढ़ेगी।दीपक शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार की राष्ट्रीय सम्पतियों के मित्रीकरण की इस योजना का कड़ा विरोध करती है और देश की सम्पतियों को चन्द निजी हाथों में बिकने नहीं देगी।

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत की एसएमएस अस्पताल में हुई एंजियोप्लास्टी

जयपुर।(एजेंसी)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की शुक्रवार को जयपुर के सरकारी सवाई मान सिंह अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई। डाक्टरों के अनुसार वे अब पूरी तरह स्वस्थ हैं और उन्हें दो तीन दिन पूर्ण आराम की सलाह दी गई है। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा सुधीर भंडारी ने कहा, मुख्यमंत्री की तीन मुख्य धमनियों में से एक में 90प्रतिशत ब्लाक मिला। उनकी एक धमनी की एंजियोप्लास्टी हुई। एक धमनी में स्टेंट लगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गहलोत अब पूरी तरह स्वस्थ हैं और जल्द ही सामान्य कामकाज करने लगेंगे। भंडारी ने कहा, जैसे ही स्टेंट लगा, उनके सारे दिक्कत वाले लक्षण खत्म हो गए। वह पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं। वह एक दो दिन में सामान्य रूप से काम करने लगेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने राजस्थान सरकार

स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) में आम नागरिक की तरह पंजीकरण करवाया और उनकी एंजियोप्लास्टी की गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत एक हाथ व गर्दन में दर्द की शिकायत थी। कल से उन्हें सीने में भारीपन हो रहा था। इसको देखते हुए गहलोत को सीटी एंजियोग्राफी करवाने की सलाह दी गई। इसमें उनकी धमनी में ब्लाकेज सामने आया और उनकी एंजियोप्लास्टी की गई। भंडारी ने कहा कि गहलोत को 2- 3 दिन के पूरी तरह से आराम की सलाह दी गई है। उल्लेखनीय है कि 70 वर्षीय कांग्रेस नेता गहलोत इस साल अप्रैल में कोरोना वायरस संक्रमित हो गए थे और उसके बाद से वह कोरोना के बाद के प्रभावों का सामना कर रहे हैं। गहलोत स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा, मुख्य सचेतक महेश जोशी, विधायक रफीक खान के साथ अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री के प्रवक्ता ने ट्वीट कर बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की एंजियोप्लास्टी सफलता पूर्वक की गई। इससे पहले गहलोत ने भी ट्वीट के जरिये बताया कि उनकी एंजियोप्लास्टी की जायेगी। गहलोत ने ट्वीट में कहा, ''कोविड के बाद मुझे स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो रही थी और कल (बृहस्पतिवार) से मेरे सीने में तेज दर्द हो रहा था। अभी सवाई मानसिंह अस्पताल में अपना सीटी एनजीओ करवाया हैं। एंजियोप्लास्टी की जायेगी।'' उन्होंने कहा कि '' मुझे खुशी है कि मै इसे (एंजियोप्लास्टी) सवाई मानसिंह अस्पताल में करवा रहा हूं। मैं ठीक हूं और जल्द ही वापस आऊंगा। आपका आर्शीवाद और शुभकामनाएं मेरे साथ है।''

दिल्ली में चरणबद्ध तरीके से खुलेंगे स्कूल, 1 सितंबर से लगेंगी कक्षाएं, कोविड नियमों का होगा सख्ती से पालन

शिमला।(एजेंसी)।

नयी दिल्ली। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के कमजोर पड़ने के बाद अब राजधानी दिल्ली में फिर से स्कूल को खोलने का निर्णय लिया गया है। बता दें कि दिल्ली में चरणबद्ध तरीके से स्कूलों को खोला जाएगा। एक सितंबर से छात्र स्कूल जा सकेंगे। 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए एक सितंबर से स्कूल खुलेंगे। जबकि छठी से आठवीं तक के छात्रों को 8 सितंबर से स्कूल आने की अनुमति होगी।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि स्कूलों में शारीरिक दूरी के नियमों का कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकारी स्कूलों के 98 फीसदी स्टाफ को वैक्सीन लग चुकी है। इस दौरान ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की कक्षाएं लगेंगी। बच्चे स्कूल आने के लिए बाध्य नहीं होंगे।

दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार के नेतृत्व वाली विशेषज्ञ समिति ने चरणबद्ध तरीके से स्कूलों को फिर से खोलने की सिफारिश की थी। समिति ने

अपनी सिफारिश में कहा था कि माता-पिता के पास अपने बच्चों को स्कूल भेजने का विकल्प होना चाहिए।

जन आशीर्वाद यात्रा से कार्यकर्ताओं में नए जोश एवं उत्साह का संचार : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप

शिमला।(एजेंसी)।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने शिमला में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केन्द्रीय मंत्रीमण्डल में विस्तार करते हुए 43 नए मंत्री बनाए। जिसमें 11 महिलाएं 27 ओ0बी0सी0 तथा 12 अनु0जाति समुदाय के सांसदो को मंत्री बनाया गया।

उन्होंने कहा हिमाचल के इतिहास में पहली बार जब कोई जनसभा सुबह 4 बजे तक चली इस यात्राने प्रदेश में 43 विधानसभा क्षेत्रों 4 संसदीय क्षेत्रों, 8 राजस्व जिलों से होते हुए 630 कि0मी0 की दुरी तय की यात्रा शुरू होने से लेकर समापन तक कुल 184 कार्यक्रम हुए जिनमें 1,02,510 कार्यकर्ताओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की 22 जन सभाएं और 157 स्वागत देखा। उन्होंने कहा को यह देश का आज तक का सबसे युवा मंत्रीमण्डल है। हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर को केन्द्रीय मंत्री बनाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल का मान बढ़ाया है। इसके लिए हम उनके धन्यवादी है। सुरेश कश्यप ने कहा कि जो विभाग अनुराग ठाकुर को दिया गया है आजादी के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल, इंदिरा गांधी , लालकृष्ण अडवाणी , प्रमोद महाजन , सुषमा स्वराज , अरूण जेटली जैसे प्रमुख नेता इस विभाग

के मंत्री रहे है । कश्यप के कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा जगत प्रकाश नड्डा के निर्देशानुसार की गई। इस यात्रा में माननीय मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर होटल पीटरहॉफ में सम्मिलत हुए व स्वागत किया व पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट पालमपुर में यात्रा का स्वागत किया। प्रो0 प्रेम कुमार धूमल ने हमीरपुर में यात्रा का स्वागत किया। यह यात्रा 19 अगस्त, 2021 से 23 अगस्त, 2021 तक लगातार 5 दिनों तक चली। अंतिम कार्यक्रम 24 अगस्त, 2021 को प्रातः 3:45 बजे ऊना के मैहतपुर क्षेत्र में हुआ, टॉइस यात्रा की 6 दिन का भी माना जा सकता है। हिमाचल के इतिहास में पहली बार जब कोई जनसभा सुबह 4 बजे तक चली। इस यात्रा में बुजुर्ग, युवा, बहने, बच्चों ने 5-5 घंटे तक इंतजार किया और केन्द्रीय मंत्री का ज़ोरदार स्वागत भी किया। इस यात्राने प्रदेश में 43 विधानसभा क्षेत्रों 4 संसदीय क्षेत्रों, 8 राजस्व जिलों से होते हुए 630 कि0मी0 की दुरी तय की। पहले इस यात्रा के 84 प्रस्तावित कार्यक्रम थे लेकिन यात्रा शुरू होने से लेकर समापन तक कुल 184 कार्यक्रम, 157 स्वागत और 22 जन सभाएं हुए जिनमें 1,02,510 कार्यकर्ताओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। मीडिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से यह कार्यक्रम 55 लाख से अधिक लोगों ने देखा। इस ऐतिहासिक यात्रा में सभी मंत्रियों, विधायकों, सांसदों, 2017 के प्रत्याशियों ने अपने-अपने विधान सभा क्षेत्रों एवं जिलों में इस यात्रा का स्वागत किया। बरसात का मौसम होने व भारी बारिश होने के बावजूद भी इस यात्रा में कोई बाधा नहीं आई। कार्यकर्ताओं के जोश में कोई कमी नहीं आई। उन्होंने बताया कि हर जगह यात्रा का स्वागत पारम्परिक ढंग, ढोल-नगाड़ो, आतिशबाजी, फूल मालाएं, पुष्पवर्षा, मिठाईयां बांटकर तथा पारम्परिक वेशभूषा में किया गया। हर जगह केन्द्रीय मंत्री को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। कश्यप ने कहा कि सभी लोगों में केन्द्रीय मंत्री के साथ सैल्फी लेने को लेकर उत्सुकता दिखी और जिसमें मंत्री जी ने भरपूर सहयोग भी किया।

सिद्धू भारत विरोधी विचार से ओत-प्रोत हैं, सलाहकार के इस्तीफ़ा देने से काम नहीं चलेगा: संबित पात्रा

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के सलाहकार मलविंदर माली ने पद से इस्तीफा दे दिया है। सिद्धू के सलाहकार मलविंदर सिंह माली लिखा कि मैं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को सुझाव देने के लिए दी गई अपनी सहमति वापस लेता हूं। इसके बाद भाजपा की ओर से सिद्धू पर पलटवार किया गया है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू भारत विरोधी विचार से ओत-प्रोत हैं। उनके सलाहकार के इस्तीफ़ा देने से काम नहीं चलेगा, नवजोत सिंह सिद्धू देश से माफ़ी मांगें और राहुल गांधी जवाब दें कि कांग्रेस पार्टी के सलाहकार कैसे हैं जो कश्मीर को भारत का हिस्सा नहीं मानते।

आपको बता दें कि हाल में एक सोशल मीडिया पोस्ट में, माली ने संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने के मुद्दे पर बात की थी, जिसके तहत तत्कालीन राज्य जम्मू-कश्मीर को एक विशेष दर्जा मिला हुआ था। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि अगर कश्मीर भारत का हिस्सा था तो धारा 370 और 35ए हटाने की क्या जरूरत थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएम ने सूरत में एलआईजी के 208 बहुमंजिला घरों का किया उद्घाटन

क्रांति समय

सूरत, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने रुध वैलेंटाइन सिनेमा के पास गुजरात हाउसिंग बोर्ड द्वारा 23.81 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एलआईजी योजना के तहत अनुमानित 208 बहुमंजिला घरों का उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए विजय रूपाणी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना सच हो रहा है. जब हर शहर के भीतर जमीन की कीमत करोड़ों में बोली जाती है तो गरीबों के लिए अपने खुद के आवास का सपना देखना भी मुश्किल होता जा रहा है। वहीं सरकार आम

आदमी को उसके सपनों का घर दिलाने की कोशिश कर रही है। सरकार हर साल करीब पांच लाख घर बनाएगी और उन्हें गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को मुहैया कराएगी।

विजय रूपाणी का कांग्रेस पर हमला उन्होंने कांग्रेस पर शाब्दिक हमला करते हुए कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब केवल नारे लगाए गए थे । केवल गरीबी उन्मूलन जैसे नारे लगाए गए। कांग्रेस के शासनकाल में बने मकान ढह रहे थे। अब सरकार गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को मजबूत और अच्छे घर दे रही है।

46वां इंडिया जेम एंड ज्वैलरी अवार्ड समारोह

क्रांति समय

सूरत,ली-मेरिडियन होटल, टीजीबी, सूरत में आयोजित किया गया । 46वें इंडिया जेम एंड ज्वैलरी अवार्ड्स का आयोजन कहाँ किया गया? मुख्यमंत्री विजय रूपाणी मौजूद रहे। गोनविद ढोलकिया को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया। विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए। किरण डायमंड को सर्वाधिक पुरस्कार मिले। विजय रूपानी ने कहा, ''हम सिर्फ हीरे की चक्की नहीं हैं।'' हम वैश्विक प्रवृत्ति को स्थापित करने वाले हैं। रत्न एवं आभूषण उद्योग ने विश्व में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त किया है। महामारी ने निर्यात को 59% तक बढ़ाने में भी कामयाबी हासिल की है। यह 66,000 करोड़ रुपये के आभूषण निर्यात करने में सफल रही है।

डायमंड बोर्स बनेगा दुनिया का डायमंड हब: रूपाणी

डायमंड बोर्स का उद्घाटन प्रधानमंत्री करेंगे। जेम एंड ज्वैलरी पार्क तैयार करने का निर्णय लिया है। सिंथेटिक हीरे को बढ़ावा देने के लिए काम किया जाएगा। आने वाले दिन भारत के हैं। आने वाले दिनों को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास किया जाना है। सूरत का इतिहास गौरवशाली है। इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की जरूरत है। यह धंधा भरोसे का धंधा है।

ने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री को दिए गए लक्ष्य को हम हासिल कर लेंगे. डायमंड बोर्स दुनिया के हीरों का केंद्र होगा।

शंखेश्वर के निकट पुल की रेलिंग से टकराई कार, दो लोगों की मौके पर मौत 8 लोग

क्रांति समय

पाटन,शंखेश्वर निकट देर रात तेज रफ्तार ईको कार स्पेण नदी से पुल की रेलिंग से टकरा गई। रेलिंग से टकराकर कार के परखच्चे उड़ गए और दो लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले के भाभर निवासी 10 लोग ईको कार में सौराष्ट्र गए थे। गुरुवार की देर रात सभी लोग सौराष्ट्र से लौट रहे थे। रास्ते में पाटन जिले के शंखेश्वर के निकट स्पेण नदी के ब्रिज की रेलिंग से तेज रफ्तार कार धमाके के साथ टकरा गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार कार यदि रेलिंग से नहीं टकराई होती तो आगे नदी में गिर सकती थी और उसमें अधिक जानहानि हुई होती। लेकिन स्पेण नदी के पुल पर पहुंचने से पहले ही कार रेलिंग से टकरा गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक नदी पर बना पुल काफी संकरा होने की वजह से आए दिन यहां दुर्घटना होती रहती है।

गुजरात में अगले चार दिन बारिश की कोई संभावना नहीं

गुजरात में आगामी चार दिन बारिश की कोई गुंजाईश नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक सौराष्ट्र-कच्छ और उत्तर गुजरात में बारिश की कोई संभावना नहीं है। हांलाकि 30 और 31 अगस्त को दक्षिण गुजरात में छुटपुट बारिश हो सकती है। गुजरात में अबकी बार मौसम की 48 प्रतिशत बारिश कम हुई है और बरसाती सिस्टम यदि सक्रिय होती है तो सितंबर महीने में बारिश होने का अनुमान है। हांलाकि सितंबर में मेघा बरसेगा तब भी बारिश की कमी पूरी नहीं होगी। बारिश नहीं होने से किसानों में अपनी कृषि फसलों को लेकर चिंता व्याप्त है। कृषि फसलें बचाने के लिए किसान राज्य सरकार से सिंचाई का पानी देने की गुहार लगा रहे हैं। सिंचाई के अभाव खेतों में खड़ी फसलें मुरझाने लगी हैं। अहमदाबाद जिले की साणंद तहसील के ददुका गांव के किसान कृषि फसलों को लेकर चिंतित हैं, दूसरी ओर पशुपालक घासचारे को लेकर परेशान हैं। घासचारा नहीं मिलने से पशुपालक अन्य जिलों का रुख कर रहे हैं। बता दें कि इस साल मौसम की पर्याप्त बारिश नहीं होने से राज्य के कई डेम की पैंदी दिखने लगी है और आगामी दिनों में पेयजल की समस्या गंभीर हो सकती है। हांलाकि बीते दिन उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने दावा किया है कि सरदार सरोवर बांध में इतना पानी है कि एक वर्ष तक पेयजल

भाजपा के कार्यकर्ता ने कहा- किसानों की समस्या बनिया नहीं समझ सकते

क्रांति समय

बनासकांठा,जिले के कुंडालिया गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा के एक कार्यकर्ता ने जोश में आकर कह दिया कि कोई बनिया मुख्यमंत्री किसानों की समस्या नहीं समझ सकता। गुजरात का मुख्यमंत्री कोई किसान का बेटा होना चाहिए। बता दें कि गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी जैन समाज से आते हैं और भाजपा के कार्यकर्ता ने बनासकांठा डेयरी के चेयरमैन और राज्य के पूर्व मंत्री शंकरसिंह चौधरी की उपस्थिति में यह बयान दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल घटना का वीडियो चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल गुजरात विधानसभा के अगले साल चुनाव होने हैं और राज्य के पूर्व मंत्री शंकर चौधरी ने अपने वाव निर्वाचन क्षेत्र में अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके अंतर्गत दो दिन पहले बनासकांठा जिले की वाव तहसील के कुंडालिया गांव में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक हुई थी। जिसमें शंकर चौधरी के साथ ही बनासकांठा जिला भाजपा प्रमुख गुमानसिंह चौहाण भी मौजूद थे। बैठक में सूखे की स्थिति को लेकर चर्चा चल रही थी। उस दौरान परागभाई नामक भाजपा कार्यकर्ता ने जोश में आकर कहा कि गुजरात की गद्दी पर किसान का बेटा होना चाहिए, बनियों को कुछ पता नहीं चलता। मुख्यमंत्री शंकर चौधरी जैसा होना चाहिए जो किसानों का काम कर सके। भाजपा कार्यकर्ता के इस बयान से वहां मौजूद सभी लोग चौंक उठे। उस वक्तशंकर चौधरी ने इशारा कर खामोश रहने का पराग को इशारा किया।भाजपा एक अनुशासित पार्टी मानी जाती है

राज्यपाल ने प्रकृति एवं पर्यावरण पत्रिका का अनावरण किया

अहमदाबाद, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने आज

'प्रकृति एवं पर्यावरण' पत्रिका के पहले अंक का अनावरण किया। यह पत्रिका 'मंतव्य न्यूज ग्रुप' की ओर से प्रकाशित की गई है। राज्यपाल ने पत्रिका की सफलता की शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद व्यक्त की है कि इस पत्रिका का पर्यावरण के प्रति लोगों को जागृत करने में श्रेष्ठ योगदान रहेगा।

देश की सर्वोच्च न्यायालय मैं किए गए जनहित याचिका को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस

सुरत शहर के रेलवे की जमीन पर बसे हुवे लोगो के लिए संघर्ष कर रही "उत्राण से भेस्तान रेलवे झोपड़पट्टी विकास मंडल" के माध्यम से देश की सर्वोच्च न्यायालय मैं किए गए जनहित याचिका को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था।

कांग्रेस नेता के पोल्ट्री फार्म से एफेड्रीन ड्रग के साथ तीन शख्स गिरफ्तार, मुख्य आरोपी फरार

भरुच,भरुच एसओजी ने जंबुसर के पोल्ट्री फार्म पर छापा मारकर रु 9.46 लाख कीमत की ड्रग समेत तीन शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि पोल्ट्री फार्म का मालिक और मुख्य आरोपी फरार है। पोल्ट्री फार्म जंबुसर तहसील कांग्रेस प्रमुख के पुत्र का है। जानकारी के मुताबिक भरुच एसओजी को सूचना मिली थी कि जंबुसर तहसील के सिगाम गांव के पोल्ट्री फार्म में नशीले पदार्थ बनाए जाते हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने निगरानी शुरूकी और संदिग्ध गतिविधियां पाए जाने पर फार्म हाउस पर गुरुवार को छापा मारा। छापे के दौरान फार्म में कैमिकल प्रोसेस की प्रक्रिया चल रही थी। पुलिस ने घटनास्थल से ओमप्रकाश साकरिया, अमनसिंग, नितेष पांडे समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही रु 9.46 लाख कीमत का 730 ग्राम एफेड्रीन, ड्रग बनाने में उपयोग किए जाते 7 अलग अलग कैमिकल्स और साधन, 3 मोबाइल और एक समेत कुल रु 10 से अधिक का माल-सामान जब्त किया है। पोल्ट्री फार्म का मालिक भवदीपसिंह यादव है, जिसके पिता मुकेन्द्रसिंह जंबुसर तहसील कांग्रेस के प्रमुख हैं। भवदीपसिंह यादव ड्रग्स कारोबार में आर्थिक सहायता करता है। राजस्थान के पाली का मूल निवासी और वर्तमान में भरुच जिले के अंकलेश्वर रहने वाले ओमप्रकाश साकरिया ने भवदीपसिंह के भव्यराज फार्म हाउस में रूम किराए पर लिया था। अमनसिंह उत्तर प्रदेश का मूल निवासी है और वर्तमान में गडखोल गीता कॉम्प्लेक्स में रहता है। जबकि मुंबई के नालासोपारा में रहनेवाला नितेश पांडे उत्तर प्रदेश के जौनपुर का मूल निवासी है। अमनसिंह और नितेश पांडे कैमिकल्स एक्सपर्ट हैं और ये दोनों ही ड्रग्स तैयार करते थे। पुलिस ने ओम प्रकाश साकरिया, अमनसिंह और नितेश पांडे को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि कांग्रेस नेता मुकेन्द्रसिंह के पुत्र भवदीपसिंह की तलाश तेज की है।

बिना सबूत के चार्जशीट दाखिल करने पर उमरा पीएसआई पर लगा 10,000 रुपये का जुर्माना

क्रांति समय

सूरत,चेन स्नैचिंग मामले में बिना पर्याप्त सबूत के चार्जशीट दाखिल करने वाले उमरा के पीएसआई विजय चंपक पर कोर्ट ने 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने दोनों आरोपितों की जमानत अर्जी भी मंजूर कर ली। इस मामले में जांच अधिकारी ने वादी को भी नहीं दिखाया और शिकायतकर्ता की पहचान परेड भी नहीं की. कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट सीधे कोर्ट में दाखिल कर दी गई है। इसे पेश करते समय सरकारी वकील को दिखाने की कोई व्यवस्था नहीं है।

अदालत ने अपने फैसले में पुलिस प्राधिकरण के खिलाफ कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि यह कोई कूड़ादान नहीं है जहां आप अपना कचरा यहां फेंकते हैं। सबसे अहम काम आपराधिक व्यवस्था में चार्जशीट दाखिल करना है.मामले की जानकारी के मुताबिक साल 2019 में उमरा पुलिस ने चेन स्नैचिंग के आरोप में मंसूर मालेक और सामी सैयद को गिरफ्तार किया था.

इस मामले में उमरा पुलिस ने केस भी बरामद नहीं किया और पहचान परेड नहीं कराई और चार्जशीट जारी कर दी. प्रतिवादी रिद्धीश मोदी ने तर्क दिया था कि पुलिस द्वारा एक झूठा आरोप पत्र दायर किया गया था। आरोपी के खिलाफ कोई सबूत नहीं है।अदालत ने जांच अधिकारी को 10,000 रुपये जमा करने का आदेश दिया।

मुख्य सचिव अनिल मुकिम ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मुलाकात की

अहमदाबाद,राज्य के मुख्य सचिव अनिल मुकिम ने राज्यपाल

आचार्य देवव्रत से राजभवन में मुलाकात की। इस मौके पर राज्यपाल ने मुख्य सचिव को निवृत्त जीवन की शुभकामनाएं प्रदान कीं। बता दें कि अनिल मुकिम राज्य के मुख्य सचिव पद से 31 अगस्त को निवृत्त हो रहे हैं। अनिल मुकिम के स्थान पर पंकज कुमार राज्य के मुख्य सचिव होंगे। फिलहाल पंकज कुमार राज्य के गृह विभाग के अतिरिक्तमुख्य सचिव हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)